इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए स्वीकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2012-14

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 44 | अंक - 330 | राजनांदगांव, रविवार 20 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ - 16 | मूल्य - 5.00 रुपए

पाठकों को बधाई

दीपोत्सव पर्व पर समस्त शुभचिंतकों, सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं व जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। - **सम्पादक**

अवकाश सूचना

दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में 20, 21 व 22 अक्टूबर 2025 को 'दैनिक दावा' कार्यालय में अवकाश रहेगा। पाठकों को अगला अंक 24 अक्टूबर को प्राप्त होगा।
- **व्यवस्थापक**

रामभक्तों के लहू से लथपथ हुई अयोध्या आज दीपों के सागर में नहा रही है, गिनीज बुक से मिले दो रिकॉर्ड: सीएम योगी

अयोध्या में लगातार नौंवी बार दीपोत्सव का आयोजन

अयोध्या। राम की नगरी अयोध्या दीपोत्सव के अवसर पर 29 लाख दीयों की रोशनी से दमक उठी। राम की पैड़ी का कोना-कोना जगमगा उठा। इस दौरान पूरी दुनिया ने अयोध्या का एक ऐसा मोहक रूप देखा जो कि उनके मानस पटल पर सदैव के लिए अंकित हो गया।

राम की नगरी में लगातार नौंवी बार दीपोत्सव का आयोजन किया गया जिसकी भव्यता को पूरी दुनिया ने देखा और कहा कि अब अयोध्या अपने चमकदार वर्तमान से रूबरू हो रही है। दीपोत्सव पर अयोध्या के नाम दो विश्व कीर्तिमान दर्ज हुए। पहले में राम की पैड़ी के 56 घाटों पर 26. 11 लाख दीये जलाए गए। (राम की पैड़ी का विहंगम दृश्य।)

यह लगातार नौंवीं बार विश्व रिकॉर्ड बना है। सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित भाजपा सरकार के अन्य मंत्री व पार्टी पदाधिकारी इस अद्भुत व अविस्मरणीय क्षण के साक्षी बने। (राम की पैड़ी पर शानदार प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया।) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू तट पर मां सरयू की आरती कर दीपोत्सव-2025 का शुभारंभ किया। लाखों दीपों से आलोकित अयोध्या में मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभक्तों के लहू से लथपथ की गई यह नगरी आज दीपों के सागर में नहा रही है और यही नया भारत है, जो अपनी आस्था, अस्मिता और विकास तीनों में आत्मविश्वास से जगमगा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरयू घाट पर मां सरयू की विधिवत पूजन के बाद आरती की, जहां उनके साथ कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके बाद राम कथा पार्क पहुंचकर उन्होंने जनता को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि दीपोत्सव का यह नवां संस्करण उत्तर प्रदेश की नई पहचान है। उन्होंने उपस्थित रामभक्तों से *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

नासिक में बड़ा रेल हादसा: मुंबई से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस से गिरे तीन यात्री, दो की मौत, एक घायल

मुंबई। दिवाली और छठ पर्व के चलते इन दिनों ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इसी बीच महाराष्ट्र के नासिक रोड स्टेशन के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया है। शनिवार रात कर्मभूमि एक्सप्रेस से तीन युवक चलती ट्रेन से नीचे गिर गए, जिसमें दो युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, कर्मभूमि एक्सप्रेस मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल के लिए रवाना हुई थी। रात करीब 8.30 बजे जब ट्रेन नासिक रोड स्टेशन से बिना रुके आगे बढ़ी, तभी जेल रोड के पास ढिकले नगर इलाके में हादसा हो गया। ओढा स्टेशन के अधिकारियों ने नासिक रोड रेल प्रशासन को हादसे की सूचना दी।

सूचना मिलते ही नासिक रोड पुलिस थाना प्रभारी जितेंद्र सपकाले अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को रेलवे ट्रैक से दो युवकों के शव बरामद हुए, जबकि तीसरा युवक गंभीर हालत में तड़पता मिला। घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीनों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब ट्रेन से युवकों के गिरने की आवाजें आईं, तो यात्रियों ने शोर मचाया और लोको पायलट ने नासिक रोड स्टेशन प्रशासन को घटना की जानकारी दी। कुछ ही देर में स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंच गए, लेकिन तब तक दो युवकों ने दम तोड़ दिया था। पुलिस के मुताबिक, दिवाली के समय बड़ी संख्या में लोग अपने घरों की ओर रवाना होते हैं, जिससे ट्रेनों में भारी भीड़ रहती है। कई यात्री ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा करते हैं। संभवतः भीड़भाड़ या धक्का-मुक्की के चलते युवकों का संतुलन बिगड़ गया और वे चलती ट्रेन से नीचे गिर गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दीपावली और गोवर्धन पूजा की दी हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को दीपावली और गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सत्य और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपों का यह उत्सव हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई चेतना और आशा का संचार करता है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर, निकाय चुनाव से पहले राज ठाकरे का बड़ा हमला; ECI से की यह मांग

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र में 96 लाख फर्जी वोटर जोड़े जाने का गंभीर आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि अगर वोटर लिस्ट को साफ नहीं किया गया, तो स्थानीय निकाय चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठेंगे। उन्होंने चुनाव आयोग को खुली चुनौती दी, पहले मतदाता सूची साफ करें, फिर चुनाव कराएं।

बूथ एजेंटों की बैठक में तीखा हमला

मुंबई में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, अगर फर्जी वोटरों के सहारे चुनाव होंगे, तो यह महाराष्ट्र के मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान होगा। उन्होंने दावा किया, मुंबई में 8 से 10 लाख, ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख और बाकी अन्य जिलों में लाखों फर्जी नाम जोड़े गए हैं।

फर्जी वोट की शिकायत को लेकर विपक्ष एकजुट

हाल ही में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस, एनसीपी-एसपी और मनसे समेत कई विपक्षी दलों ने राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना है कि मतदाता सूचियों में डुप्लिकेट नाम, फर्जी पते और गड़बड़ियां पाई गई हैं। विपक्ष चाहता है कि 31 जनवरी 2026 से पहले होने वाले ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले इन सूचियों में सुधार किया जाए। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग ने कहा, कोई भी राजनीतिक *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

करमा महोत्सव में शामिल हुए सीएम साय: बोले- सोहराई जैसे पर्व हमारी पुरातन संस्कृति के प्रतीक

रायपुर। जिले के कुनकुरी के कंडोरा में छत्तीसगढ़ प्रदेश के रौतिया समाज द्वारा आयोजित सोहराई कर्मा महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के गौरवशाली इतिहास और देश की आजादी में रौतिया समाज के योगदान का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रौतिया समाज ने जशपुर रियासत और देश की आजादी में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह समाज सेवा और समर्पण की भावना से ओतप्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मा- सोहराई जैसे पर्व हमारी पुरातन संस्कृति के प्रतीक हैं, जिन्हें सहेजकर रखना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, हम प्रकृति के पूजक हैं, पेड़-पौधों की पूजा हमारी

परंपरा का हिस्सा है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आग्रह किया कि चाहे हम कितने भी पढ़-लिखे और बड़े क्यों न बन जाएं, अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहें। साथ ही आने वाले करमा महोत्सव के लिए रौतिया समाज को मुख्यमंत्री श्री साय ने बिजली पानी की उचित व्यवस्था हो के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा किए।

नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारे जवान लड़ रहे मुस्तैदी से लड़ाई

नक्सलवाद पर सीएम श्री साय ने कहा कि जब से हम सरकार में आए है। नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारे जवान मुस्तैदी से लड़ाई लड़ रहे है। लगातार ऑपरेशन हो रहे है जिसमें हमारे जवानों को सफलता भी मिल रही है और जितने भी मावोवाद के टॉप है सभी न्यूट्रिलाइज हुए है। अभी तक 450 से अधिक न्यूट्रिलाइज हुए है। 2000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसर्पण किए है और लगभग उतने गिरफ्तार भी हुए है। अभी दो दिन पहले जगदलपुर में सीसी मेम्बर *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

पहला कॉलम...

महापौर एवं कलेक्टर ने नवागांव सेनिटेशन पार्क, सिंथेटिक ट्रैक निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल, यातायात नगर में साफ-सफाई कार्य का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने नवागांव सेनिटेशन पार्क, सिंथेटिक ट्रैक निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल, यातायात नगर में साफ-सफाई कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने दीपावली पर्व के दृष्टिगत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक तौर पर अभियान चलाकर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सफाई कार्य सतत जारी रखने तथा मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शंकरपुर में कल से तीन दिनों तक मां काली पूजा की रहेगी धूम

राजनांदगांव (दावा)। शंकरपुर वार्ड नं. 09 में कल से तीन दिवसीय शिव शक्ति मां काली पूजा का भव्य आयोजन किया गया है। आयोजन के 17 वर्ष पूरा होने पर आयोजन समिति द्वारा मां काली पूजन कार्यक्रम धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है।

शिव शक्ति मां काली की 48 घंटे तक जारी रहेगी पूजा-आराधना

मां काली पूजा समिति द्वारा बताया गया है कि 23 अक्टूबर, गुरूवार को दोपहर 1 बजे मां काली प्रतिमा की स्थापना होगी, वहीं 24 अक्टूबर, शुक्रवार को दोपहर 2 बजे यज्ञ हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। 25 शनिवार की सुबह 11 बजे धूमधाम के साथ मां काली प्रतिमा का विसर्जन होगा। समिति के राजकुमार यादव ने बताया कि इस तीन दिवसीय मां काली पूजा पूरा 48 घंटे चलते रहेगा। उक्त महापूजा के आयोजन में सभी भक्त जनों को भाग लेने के लिए सादर आमन्त्रित किया गया है।

गिट्टी खदान तालाब में युवक का मिला शव

राजनांदगांव (दावा)। सोमनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मनगटा बाहरानार गिट्टी खदान के तालाब में तैरते हुए एक युवक का शव मिलने से आसपास में सनसनी फ़ैल गई। घटना की सूचना मिलते हैं पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से निकलवा कर पंचनामा किया गया।

सोमनी थाना प्रभारी प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल में जुटे हुए हैं। मृतक की पहचान सावंत कुमार बड़ा पिता रॉबेन बड़ा उम्र 32 साल निवासी शिवाजी नगर कुरूद रोड पुलिस चौकी स्मृति नगर गाना सुपेला जिला दुर्ग के रूप में हुई है। थाना प्रभारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि, मृतक इंजीनियरिंग की पढ़ाई किया है, स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट का कार्य करता था जो विगत 17 मार्च से घर से निकला हुआ था, जिसके संबंध में पुलिस चौकी स्मृति नगर भिलाई में गुम इंसान दर्ज है।

सिंघोला में माता मड़ई मेला 23 को

राजनांदगांव (दावा)। माँ भानेश्वरी धाम ग्राम सिंघोला में माता मड़ई मेला का आयोजन 23 अक्टूबर दिन गुरुवार को मंदिर चौक में रखा गया है। लोगों के मनोरंजन के लिए रात्रि में शिवगंगा छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी ग्राम दरगवां पिपरिया, कबीरधाम वाले का कार्यक्रम रखा गया है। उक्त जानकारी देते हुए माँ भानेश्वरी मंदिर के सचिव रोशन साहू व तुलसी राम साहू ने अंचल के व्यापारिओं एवं जन मानस को अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की है।

समिति प्रबंधकों पर लटकी अफसरों के मानिटरिंग की तलवार, नाराज प्रबंधक करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश सरकार द्वारा नए वर्ष में इस साल किसानों से 15 नवंबर से धान खरीदी करने जा रही है। इस खरीदी वर्ष में सरकार द्वारा धान की सूखत व भुगतान जैसी समस्या से निपटने समिति प्रबंधकों के ऊपर मानिटरिंग अफसर बिठाने की व्यवस्था की है। इससे समिति प्रबंधकों में खासी नाराजगी देखने में आ रही है।

प्रबंधकों का कहना है कि एक तो सरकार उनकी सूखत व अन्य मांगों को ले-देकर मानी है और पूरा करने का लिखित में आश्वासन दिया है। जो मांगे अब तक पूरी नहीं हुई है और नए खरीदी सत्र में हमारे ऊपर अफसर बिठाने की व्यवस्था कर दी गई है। उनका कहना है कि, राज्य शासन की इस व्यवस्था पर भी वे राजी है, पर इस नई व्यवस्था में अफसर को धान खरीदी से लेकर अंतिम तक की जिम्मेदारी दी जाए। खरीदी कार्य शुरू से अंतिम तक उनके ही चार्ज हो। इससे कम से कम प्रबंधकों को थोड़ी राहत मिलेगी।

उक्त समय का उपयोग अन्य कार्यों के लिए किया जा सकेगा। नहीं तो मानिटरिंग अफसरों की गलती की जिम्मेदारी प्रबंधकों पर डाल दिए जाने से फिर वही ढांक की तीन पात वाली स्थिति आन पड़ेगी। बहरहाल समिति प्रबंधकों द्वारा शासन की इस नई व्यवस्था को समिति प्रबंधक आधे-अधूरे मन से स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन अपनी मांगों के संबंध में जो कि अभी तक पूरा नहीं हुआ है, प्रदेश सरकार से अपनी लड़ाई जारी रखते हुए आगामी 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं।

लंबित मांगों को लेकर 24 को कलेक्टर को सौंपा जाएगा जिला स्तरीय ज्ञापन

24 को कलेक्टर को सौंपा जाएगा ज्ञापन

समिति प्रबंधक एवं कर्मचारी संघ के प्रांतीय संयोजक ईश्वर श्रीवास ने बताया कि सरकार से की गई अपनी मांगों के संबंध में 28 अक्टूबर को जिला स्तरीय ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा जाएगा तत्पश्चात 28 अक्टूबर को संभाग स्तरीय ज्ञापन सौंपा जाएगा। संघ के जिला अध्यक्ष किसुन लाल देवांगन ने बताया कि इसके बाद भी बात नहीं बनी तो पूरे प्रदेश स्तरीय समिति प्रबंधकों की 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

धान खरीदी नीति में की गई बदलाव

बता दें कि इस साल धान खरीदी नीति में राज्य शासन द्वारा व्यापक पैमाने पर बदलाव किया गया है। शुरू से लेकर आखिरी तक पूरी धान खरीदी कलेक्टर द्वारा नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी की निगरानी में होगी। इस आदेश से समिति प्रबंधकों में हड़कंप मच गया है। और प्रबंधन इसके विरोध में उतर आए हैं। प्रबंधकों के अलावा डाटा एंट्री ऑपरेटरों के पल को भी आउट सोर्सिंग से भरे जाने के निर्देश दे दिए गए हैं। जिसके चलते डाटा एंट्री ऑपरेटरों में भी जमकर नाराजगी सामने आ रही है। उनका कहना है कि विगत कई सालों से उनके द्वारा धान खरीदी कार्य संपन्न कराई जा रही है। ऐसे में काम छोड़ने के लिए वे कतई राजी नहीं है।

राज्य शासन द्वारा इस साल की धान खरीदी के लिए बनाई गई नई नीति से इत्तफाक नहीं रखते हुए, अब समिति प्रबंधकों से लेकर डाटा एंट्री ऑपरेटर भी अनिश्चितकालीन हड़ताल में सामने आने वाले हैं। इससे 25 अक्टूबर से शुरू होने वाली धान खरीदी प्रभावित हो सकता है।

अफसरों के हस्ताक्षर से होगी धान खरीदी

बताते चलें कि इस साल पहले की तरह प्रबंधक की हस्ताक्षर से धान की खरीदी व भुगतान नहीं होगा। शासन के नए आदेश में प्रबंधकों से उक्त अधिकार छीन लिया गया है। नए फैसले में कलेक्टर द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर से ही किसानों को धान खरीदी का भुगतान किया जाएगा। बताया जाता है कि धान खरीदी की मानिटरिंग के लिए एक टीम बनाई जाएगी, जिसमें सहकारी समिति के प्राधिकृत अधिकारी, संबंधित क्षेत्र के सरपंच व कलेक्टर द्वारा नामित एक प्रतिनिधि के अलावा जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा दो प्रतिनिधि नियुक्त होंगे। इसके अलावा प्रत्येक संग्रहण केंद्र में कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार स्तर पर टीम बनाई जाएगी, जिसमें खाद्य, विपणन, जिला सहकारी बैंक और मंडी के अधिकारी सम्मिलित होंगे। बहरहाल इस साल की धान खरीदी में राज्य शासन द्वारा की गई सख्ती का विरोध भी अभी से दिखने लगा है। समिति प्रबंधक व कर्मचारी संघ द्वारा शासन के विरोध में उतरने की पूरी तैयारी कर ली गई है। इस संबंध में 24 को जिला स्तरीय तथा 28 को संभाग स्तरीय ज्ञापन सौंपे जाएंगे तत्पश्चात 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की रणनीति बना ली गई है जो आने वाले दिनों में कार्यरूप में परिणित होती दिखाई देगी।

प्राकृतिक जीवन शैली अपनाने धनवंतरी दिवस का आयोजन एवं संदेश

राजनांदगांव (दावा)। लायंस क्लब ऑफ नांदगाँव के तत्वावधान मे धनवंतरी का प्राकट्य उत्सव दिवस के उपलक्ष्य में नगर के गणमान्य नागरिकों के द्वारा भव्य आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम में भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना एवं आरती कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉ. ओंकारलाल श्रीवास्तव, प्राध्यापक प्राचार्य ने कहा कि आयुर्वेद भारत की जीवन शैली है, हमारे जीवन शैली मे पेड़ पौधों का विशेष महत्व है। डॉ. विद्याविलास श्रीवास्तव ने आयुर्वेद का महत्व समझाया कार्यक्रम में राकेश ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि, प्रकृति रक्षति रक्षितः अर्थात् जो प्रकृति की रक्षा करता है, जो प्रकृति के अनुकूल चलता है, प्रकृति उसके स्वास्थ्य की रक्षा करती है। अतः हमें प्राकृतिक जीवन शैली ही अपनानी चाहिए। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित आयुष विज्ञान के चिकित्सक, बद्य, आयुर्वेदाचार्य, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.के.नन्दा, भारतीय सेना से सेवानिवृत्त श्यामराव खाटोले, जयनारायण सिंह, एम.आर. डरसेना, भूतपूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष राजेश शर्मा, स्वदेशी मंच से राजकुमार शर्मा, कचरू शर्मा, डॉ. शिवशंकर जोशी, प्रज्ञा सक्सेना, डॉ. एस.आर. साहू डॉ. साधना तिवारी, डॉ. भुनेश्वर भागवत साहू, डॉ. निलेश शर्मा, शैलेन्द्र तिवारी, दिलीप पात्रे, रंजीत सुखदेव, सुनील वर्मा, प्रकाश झा, रमेश तिवारो, हरजीत सिंह भाटिया, सुनील बन्छोड़, अखिलेश श्रीवास्तव के साथ पत्रकारिता क्षेत्र से किशोर शिल्लेदार, परमानंद रजक, प्रमोद शेण्डे अंकालू साहू, अमित चटर्जी आदि सम्माननीय पत्रकारों एवं सचेतक का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ नागरिक डॉ. डी.सी. जैन द्वारा इस अवसर पर सबको शुभकामनाएं दी गई। उक्त कार्यक्रम में महिला प्रतिनिधि श्रीमती, मोना गोसाई, प्रभा ठाकुर, प्रियंका श्रीवास्तव संगीता शुक्ला आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजक समिति के लायंस क्लब के अध्यक्ष प्रमोद बागड़ी द्वारा इस प्रकार के किये जा रहे आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन हेतु अमलेन्दू हाजरा अधिवक्ता को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ.आनन्द वर्गीस थे।

शांतिभंग के अंदेशे पर 7 लोग चढ़े पुलिस के हत्थे

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र में शांति भंग होने के अंदेशे पर 7 लोगों को धर दबोचा है और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत की गई कार्यवाही

घटना के संबंध में डोंगरगढ़ थाना प्रभारी उपेंद्र शाह द्वारा बताया गया है जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश पर अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश में उनके द्वारा दीपावली पर्व में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु थाना क्षेत्र में अपने टीम के साथ लगातार गस्त पेट्रोंलिंग कर अवैध गतिविधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है।

इस अभियान के तहत रविवार 19 अक्टूबर को हेमन्त चन्द्रवंशी उर्फ हमीन पिता स्व0 हीराराम चन्द्रवंशी उम्र 23 साल निवासी रंगाकठेरा थाना डोंगरगढ़, गोपाल कुमार चन्द्रवंशी पिता स्व. हीराराम चंन्द्रवंशी उम्र 19 साल निवासी रेगाकठेरा थाना डोंगरगढ़, हरदयाल चावरे पिता नंदकुमार चावरे उम्र 20 साल निवासी बोईरडीह थाना छुरिया, गुलशन कंवर पिता फागुराम कंवर उम्र 23 साल निवासी कोटनापानी थाना बोरतलाव, भोला राम धुर्वे पिता अमर सिंह उम्र 26 साल निवासी लेडीजोब थाना डोंगरगढ़, लोकेश मालेकर पिता कृष्णा मालेकर उम्र 26 साल निवासी रविदास नगर वार्ड नंबर 22 डोंगरगढ़, कृष्णा पाण्डे पिता कीर्तन पाण्डे उम्र 34 साल निवासी ब्राम्हण पारा डोंगरगढ़ को अलग-अलग जगहों पर वाद-विवाद कर गाली-गलौच करने पर उनके विरूद्ध धारा 170,125,135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही किया गया और उन्हें एसडीएम न्यायालय पेश किया गया है।

शासकीय विद्यालय टटेंगा में आपदा प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

हरदी(दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टटेंगा में प्राचार्य आर.के. देवांगन की अध्यक्षता में एवं वरिष्ठ व्याख्याता चंद्रमणि वासनिक, टी एल देवांगन, रेशमी साहू, रीना बोरकर, भागवत साहू, वेदप्रकाश साहू, रवि देवांगन, बिंदु पटेल, बिंदु साहू की उपस्थिति में आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें आग लगने, साइबर सुरक्षा, आत्म सुरक्षा, सीपीआर, भूकंप व बिल्डिंग गिरने, सड़क सुरक्षा व आकाशीय बिजली जैसी घटनाओं में कैसे बचाव किये जाए पर चर्चा की गई।

सर्वप्रथम व्याख्याता पवन सिन्हा ने सामान्य आग, तेल से लगी आग, गैस सिलेंडर पर तथा शॉर्ट सर्किट से लगी आग से बचने के उपाय बताते हुए कहा कि, सर्वप्रथम आग लगने पर घर से बाहर निकलने के उपाय करें। घर में धुंआ भर गया हो तो झुक कर या लेटकर निकले। बाहर आने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का उपयोग करें। बिजली का मेन स्विच गिरा दें तथा सामान्य आग में पानी का व तेल और शॉर्ट सर्किट से लगी आग हो तो रेत या मिट्टी का उपयोग करें। भूलकर भी पानी का उपयोग चालू परिपथ में ना करें। गैस पर लगी आग हो तो मोटे सूती कपड़े को भिगोकर उससे ढक दें। इन बातों को उन्होंने मॉक ड्रिल करके दिखाया।

साइबर सुरक्षा पर व्याख्याता हेपशीबा एंथोनी ने ऑनलाइन शॉपिंग, एटीएम कार्ड और क्रेडिट कार्ड के उपयोग करते समय बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा आज के इस भाग दौड़ की जिंदगी मे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बहुत जरूरी हो गया है। ट्रांजेक्शन करते समय किसी भी प्रकार के धोखाधड़ी होने पर 1930 पर सूचना दें। हमेशा मजबूत पासवर्ड रखें, अनाधिकृत लिंक को न छुए, सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी अपडेट ना करें, https//: वाली लिंक का उपयोग करें, पासवर्ड प्रत्येक 3 माह में बदलते रहे, फिशिंग व स्पॉम में सावधान रहें। एक्सेस कंट्रोल करते हुए एंटीवायरस का उपयोग करें तथा कभी भी-किसी से भी ओटीपी व पिन नंबर शेयर ना करें।

आत्म सुरक्षा विषय पर व्याख्याता हर्षा देवांगन में कहा की सबसे पहले आप विचलित होने के बजाय मस्तिष्क को संयमित रखें। आपके पास जो भी उपलब्ध है जैसे सेफ्टी पिन, बॉल पिन, वॉटर बॉटल व अपनी चुन्नी को ही शस्त्र के रूप में उपयोग करें। उनसे ऊंची आवाज में बात करें और यदि जबरदस्ती करने की कोशिश करें तो सदा उनके नाजुक अंगों पर वार करें। आकाशीय बिजली सीपीआर सड़क सुरक्षा भूकंप और बिल्डिंग गिरने पर व्याख्याता अजय पाठक की चर्चा की उन्होंने कहा कि सीपीआर एक आपातकालीन जीवन रक्षक प्रक्रिया है जब किसी को सांस लेने में दिक्कत होती है या धड़कन रुक रही होती है, तो दोनों हथेलियां के पंजों को जोड़कर छाती पर दबाव या मुंह से सांस दी जाती है, जिससे उसके हृदय तक ऑक्सीजन पहुंच सकें। यह प्रक्रिया 1 मिनट में 100 से 120 बार तक होनी चाहिए तथा हेल्पलाइन नंबर 911 पर संपर्क कर इसकी सूचना देनी चाहिए। यदि आप खुले मैदान पर हो तथा बिजली की गर्जना के साथ तेज बारिश प्रारंभ हो जाए तो कभी भी मोबाइल को ना रिसीव करें न ही कॉल करें। सबसे पहले किसी मजबूत आधार वाले छत की तलाश करें ऐसी स्थिति में कभी भी पेड़ के नीचे शरण न लें। यदि ना मिले तो दोनों पैर के पंजों और एड़ियों को जोड़कर उन्कडू बैठ कर दोनों कानों पर हथेलियां को रख ले व बारिश के रुकने का इंतजार करें।

सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि सड़क पर हमेशा बाएं चलें और यातायात के नियमों का पालन करें। कभी भी ओवर स्पीड गाड़ी ना चलाएं। ओवरटेक करते समय अधिक सावधानी रखें। लाल, हरी व पीली बत्ती का सम्मान करें। बिल्डिंग गिरने की स्थिति में कमरे से बाहर निकलने का प्रयास करें। यदि संभव न हो तो किसी मजबूत टेबल के नीचे छुप जाए तथा लोगों को सहायता के लिए आवाज दें। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

खाद्य सामग्री की गुणवत्ता के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी

राजनांदगांव (दावा)। शासन द्वारा दीपोत्सव पर खाद्य सामग्री की सही गुणवत्ता निर्धारण के मद्देनजर कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। विभाग की टीम द्वारा मिठाई प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है एवं फूड सेफ्टी मैजिक बॉक्स की सहायता से आवश्यकतानुसार मौके पर ही मिठाइयों के रंग, अन्य सामग्री की उपस्थिति जांच कर विक्रेताओं और आमजन को भी जागरूक किया जा रहा है। दीपावली के दृष्टिगत विभाग द्वारा अब तक जिले भर के अलग अलग प्रतिष्ठानों से लगभग 11 विधिक व 10 से अधिक निगरानी नमूना सहित लगभग 20 से अधिक खाद्य सामग्री के नमूने गुणवत्ता जांच हेतु जप्त किये गए है। जांच के दौरान उपयोग के बाद रखे गए गए 2.5 लीटर तेल को भी मौके पर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा नागरिकों एवं मिष्ठान्न विक्रेताओं से अधिक रंगीन मिठाइयों से परहेज करने, पैक्ड सामग्री के उपयोग के पूर्व निर्माण व उपयोग तिथि का अवलोकन करने एवं उचित स्थान से ही खाद्य सामग्री की खरीदीने की अपील की गई है।

राजशाही अन्नकूट के लिए प्रसिद्ध है बाला बाबा मंदिर- निर्वाणी

राजनांदगांव (दावा)। सोनारपुर स्थित बाला बाबा मंदिर बहुत ही पुराना मंदिर यहां पर ढ़ाई सौ वर्षो से अन्नकूट का प्रसादी वितरण होता है। इसकी परंपरागत बहुत सारे लोग इसका प्रसादी प्राप्त करने के लिए आते हैं। राजशाही परंपरा है, ढाई सौ वर्ष पुराने मंदिर में निर्माण के समय परंपरा चली आ रही है। यहां राखी मूर्तियों में बहुत सारी मूर्तियां ढाई सौ साल पुरानी है, प्रभावी और प्रसिद्ध मूर्तियां हैं।

56 भोग की प्रसादी लगती है

राजा जमाने में राजमहल से विभिन्न प्रकार की सामग्री मंदिर में भिजवाई जाती थी, इससे उसका भोग लगाया जाता था ढाई सॉस वर्ष पहले मंदिरों का केंद्र था। बाल बाबा मंदिर पुराने महंत पुजारी बताते हैं कि, इस मंदिर में जो अतिथि तथा शुभमुहूर्त जारी किया जाता था उसके हिसाब से पूरे राजनांदगांव की मंदिरों को संचालन किया जाता था।

इस मंदिर में सबसे पहले महंत बजरंगदास उसके बाद राम बाली दास महंत नरेंद्र दास वर्तमान में देव कुमार निर्वाणी तथा व्यापार निर्वाणी पुजारी के रूप में कार्यरत हैं। अन्नकूट का मतलब होता है चांवल का पर्वत, अन्न अर्थात चांवल कूट अर्थात पर्वत तथा पर्वत की चारों ओर विभिन्न मीठी नमकीन व्यंजनों का भोग लगाया जाता है, जो 56 प्रकार से भी अधिक होता है। इसका भोग प्राप्त करने के लिए शहर से 200 से अधिक परिवार यहां पर आते हैं। राजशाही परंपरा का भोग खाने के लिए स्वयं राज परिवार के लोग भी मंदिर आते थे, आज भी या परंपरा श्री बाला बाबा मंदिर में जारी है। मंदिर के पुजारी एवं अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार निर्वाणी ने सभी भक्तों से अनुरोध है कि वह इस अन्नकूट का प्रसादी लेने अवश्य पधारे। उक्त जानकारी कार्यालय प्रमुख आनंद दास निर्मोही ने दिया।

राजनांदगांव मार्शल आर्ट अकादमी में बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा सम्पन्न

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय राजनांदगांव अकादमी ऑफ मार्शल आर्ट्स, कस्तूरबा महिला मंडल स्कूल प्रांगण में शीकोकाई शितोरियू कराते इंडिया के प्रमुख प्रशिक्षक हांशी भारत शर्मा के मार्गदर्शन में शिहान मुरली सिंह भारद्वाज द्वारा बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा ली गई। बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा के दौरान मुख्य परीक्षक शिहान मुरली सिंह भारद्वाज द्वारा 25 प्रतिभागी खिलाड़ियों का कराते की विभिन्न विधाओं पंच, ब्लॉक, किक, एडवांस बेसिक, काता सहित परीक्षार्थियों के पावर, स्टेनिमा एवं स्पीड की प्रायोगिक परीक्षा ली गई। उक्त परीक्षा में उत्तीर्ण सभी खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ शिकोकाई शितोरियू कराते के प्रमुख प्रशिक्षक एवं राजनांदगांव जिला कराते संघ के सचिव रेंशी मुरली सिंह भारद्वाज द्वारा बेल्ट एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया। उक्त परीक्षा में ब्लैक बेल्ट, ब्राउन बेल्ट, ग्रीन बेल्ट, ऑरेंज बेल्ट एवं एलो बेल्ट के 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं सफलतापूर्वक ग्रेडिंग परीक्षा उत्तीर्ण की जबकि एक खिलाड़ी अन्नपूर्णा साहू को ब्लैक बेल्ट से नवाजा गया। उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को छ.ग. पर्यटन बोर्ड अध्यक्ष एवं राजनांदगांव जिला कराते संघ अध्यक्ष नीलू शर्मा सहित जिला कराते संघ के सचिव शिहान मुरली सिंह भारद्वाज, उपाध्यक्ष सेंसाई कमल पूजन कोषाध्यक्ष दुर्गेश त्रिवेदी, सहसचिव सतीश पदम, गुण्डाधुर अवॉर्डी कराते खिलाड़ी एवं कोच सेंसाई अंबर सिंह भारद्वाज, राजनांदगांव जिले के सीनियर प्रशिक्षक दुर्गेश साहू, करण साहू, लोकिता साहू, तरूण साहू, भास्कर साहू, पूरविल साहू एवं समस्त पदाधिकारियों एवं पालकगणों ने शुभकामनाएं दी।

कराते बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में सफल प्रतिभागियों को बेल्ट एवं प्रमाणपत्र वितरित

परीक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के नाम जूनियर व सीनियर येलो बेल्ट - हिमांशी सिंह, हरितिमा सिंह, मालवी मिश्रा, आराध्या अग्रहरि, अर्जुन गुप्ता, उन्नति सिंह, सुरूचि साहू, अरिजित कुमार त्रिवेदी। जूनियर व सीनियर ऑरेंज बेल्ट - कबीर सोनकर, आयुशी वर्मा, लिमिशा वासनिक, उन्नति सिंह, हनोक सिन्हा, बनीत कौर, भाविका सिंह, शिवम सिंह, फाल्गुनी सिन्हा। जूनियर व सीनियर ग्रीन बेल्ट- मान्या साहू, नोवेश निनावे, मुस्कान साहू, छविकांत मेश्राम। जूनियर एवं सीनियर ब्राउन बेल्ट-श्रेष्ठ मिश्रा, मानविक सेठिया, भेरूशी साहू। ब्लैक बेल्ट- अन्नपूर्णा साहू।

LLOYD
— A HAVELLS Brand —
FESTIVAL OF FORTUNE
SCRATCH AND WIN ON EVERY PURCHASE
Mega Prize*
SUV Car / Bike / Split AC
LED TV / Refrigerator
Washing Machine
Assured Prize*
Minimum ₹300/- Cash Prize
&
Gift Coupons Worth ₹25 000/-
Discover the all new range of Lloyd products
Novanté IOT
Gives 50% Better Lint Collection
Saves 50% Water
FREE HAVELLS GARMENT STEAMER
WORTH* ₹ 5 699/-
*Conditions Apply. Worth Price (incl of all taxes) is for qty 1N
STUNAIR AIR CONDITIONER
India's 1st Designer AC Range
6 in 1
60°C
Mood ON
KOLOR REFRIGERATORS
ICE IN 29 MINUTES*
AI POWERED AUTO DEFROSTING
Mini-LED TV
1400 cd/m² Peak Brightness
100% Color Gamut
UP TO ₹25 000/-* INSTANT CASHBACK* On Credit Card EMI Transaction.
JUST PAY ₹1/-* Bring Home a Lloyd Product Now!
JUST PAY ₹1025/-* Fixed EMI
GET Extended Warranty*
GET FREE Installation* On Select Products
*Terms and conditions apply. For details visit: www.havells.com. Scratch and win offer is not applicable in state of Tamil Nadu. Participation in the said offer is without any fee and optional.
PARTICIPATING BANKS
AMERICAN EXPRESS
AXIS BANK
BOBCARD
FEDERAL BANK
HDFC BANK
HSBC
kotak
SBI card
YES BANK
Powered By: pine labs | paytm
LLOYD WEB STORE Scan to buy products online
HAVELLS ONE Scan to Download App
Happiness Get up to 3% Loyalty Points
LLOYD BRAND STORE Scan for Nearest Exclusive Store
CARE360
Customer Care No. : 08045 77 5666
Reach us on +91-9711773333 to activate warranty & avail service.
अंशदीप इलेक्ट्रॉनिक्स
न्यू बस स्टैण्ड के सामने, जी.ई.रोड, राजनांदगांव
मो. 7744 401501, 70001 87019
नियम व शर्तें लागू*
SONY SAMSUNG LG mi ONEPLUS EUREKA FORBES KENT Whirlpool IFB VOLTAS PHILIPS KENSTAR O GENERAL KUTCHINA DAIKIN

आई हिचकी मौत की और सो गए....

गिरिश बख्शी

माता पिता ने बहुत सोच-विचार कर अपने एक मात्र पुत्र का नाम रखा था- नरोत्तम दास पर उसके सफेद में काला ढूँढने के स्वभाव ने उसे अपने परिचितों के बीच बना दिया नकारात्मक दास। उसके पड़ोसी पुरूषोत्तम जो कभी उसके साथ स्टेट हाईस्कूल में पढ़ा करते थे, तब-तब उसे समझाया करते-देख नरोत्तम! मेरी बात को समझ तुझे हर बात में, हर मनुष्य में खराबी ही क्यों नजर आती है। खराबी है तो अच्छाई भी है। पर तुम हो कि अच्छाई को नजरबन्द कर खराबी की चर्चा करने में रस लेते हो। यह बिलकुल ठीक नहीं। इसीलिए तुम खुद अपने आप को नरोत्तम से नकारत्मक दास बना लेते हो। खूब देर तक अपने बचपन के साथी की सलाह चुपचाप सुनने के बाद नरोत्तम कहता- 'अब तुम्ही बताओ पुरूषोत्तम भैया। क्या गुलाब के काँटे तुम्हे नहीं चुभते? यह ठीक है कि कीचड़ में कमल खिलता है, पर कीचड़ में जब पैर फॅस जाता है न तो निकालना मुश्किल नहीं, बहुत मुश्किल हो जाता है। इसीलिए मैं यथार्थ की मतलब.....। उसकी पूरी बात सुने बिना पुरूषोत्तम यह कहते हुए सामान खरीदने बजार चला जाता कि अपने कीचड़ और काँटे में उलझे रहों, तुम्हें समझाना मुश्किल है। मैं तो चला।''

पिछले कुछ दिनों से लोग देख रहे है कि नरोत्तम जीवन बाबू के पीछे पड़ा है। उन्हें आते जाते देख साई दुकान के प्लेटफार्म पर ठलहा बैठे-बैठे अपने साथी शिवरतन से मजाकियां लहजे में कहता 'वो देख शिव वो अस्सी साल का बूढा.....। नहीं! नहीं जवान कन्दमूल लेने गोल बाजार जा रहा है।'' अखबार से अपना ध्यान हटाकर शिवरतन चकित हो पूछ उठते ''कन्दमूल? मै समझा नहीं।'' नरोत्तम को मजा आता-अरे तू कुछ नहीं समझता शिवरतन! जानता है जीवन बाबू क्या है? वह 'समय - भारक' यानी समय को रोक देना चाहता है। वह हमेशा स्वस्थ जवान बना रहना चाहता है। कन्दमूल खाने से मालूम जरा की जीर्णता नहीं आती। और फिर वह स्वयं हो! कर जोर से हँस पड़ता।''

शिवरतन ने अखबार नीचे रखकर कहा- ''अच्छा! अच्छा ! तुम ठीक कहते हो नरोत्तम! मार्निग वाक के लिए निकलता हूँ तो उन्हें चौपाटी में कभी योग तो कभी कसरत करते देखता हूॅं। मुझे आश्चर्य होता है, इस बूढ़ापे में भी उनमें योगशक्ति है। यह तो अच्छी आदत है कि

शरीर स्वस्थ रहे। हँसने की बात नही है। कहा तो कल मैं तुम्हे सबेरे उठाने आ जाया करूंगा। हम लोग भी फिर उनसे योग सीखेंगे।' नरोत्तम की नकारात्मक बुद्धि ने हँस कर उपहास के स्वर में कहा- तू सीख भैया। उस बूढ़े से योग-जोग। मैं तो सपने में योग कर तरोताजा होकर सात बजे उठता हूॅं।''

इसके एकाध हफ्ते बाद ही शिवरतन बिलासपुर से आए अपने एक सम्बंधी के साथ शाम को घूमने निकले। वे घूमते-घमते 'मानस भवन' सामने से निकले। सम्बंधी ने पूछा- मानस भवन में तुलसी दास की पुस्तके भी मिल जाएगी? मुझे 'कवितावली' खरीदनी है।''

उनके सबंधी मानस भवन के विक्रय विभाग में पुस्तके देखने में व्यस्त हो गये और शिवरतन मानस भवन के बड़े भारी हाल में पहुँच गये। वहॉ जाने कितने-कितने जन ध्यान की मुद्रा में आँखे बन्द किए हुए बैठे थे। दीवाल के किनारे-किनारे धीरे-धीरे चलते हुए अचानक वे ठिठककर खड़े हो गये-''अरे! ये तो अपने वही कन्दमूल वाले जीवन बाबू। वे बुद्ध की मुद्रा में बैठे थे। शिवरतन को इच्छा हुई उनसे बात करने की पर उनके 'ध्यान' में खलल देना उन्हें ठीक न लगा। वे वापस अपने संबंधी के पास आकर उन्होंने पूछा-''कवितावली मिल गई। अब चलें वो सामने बगीचा की बेंच पर बैठे।

अचानक शिवरतन के कन्धे पर किसी के हाथ के स्पर्श से उन्होंने पीछे मुड़कर देखा-ओह सुखद आश्चर्य। अपने जीवन बाबू। इन्हीं से तो वे बातचीत करता चाहते थे। शिवरतन बड़े श्रद्धाभाव से एकदम खड़े हो गये। जीवन बाबू मंद-मंद मुस्कराते हुए पास ही बेंच पर बैठ गये। बोले-तुम तो रामरतन बाबू के बेटे हो न! हम दोनों एक ही आफिस में एक साथ काम करते थे। स्वास्थ्य का ध्यान रखना, मैने उन्हीं से सीखा।'' शिवरतन ने उनके पैर छूकर प्रणाम करते हुए कहा ''मुझे आपसे मिलकर सचमुच बड़ी खुशी हो रही है चाचाजी! मेरी भी इच्छा होती है कि आप जैसा बनूॅं पर मुझे बड़ा खराब लगता है चाचाजी। जब वो आजाद चौक वाला नरोत्तम दास आपकी खिल्ली उड़ाया करता है। वो आपको कहता है, अस्सी साल का बूढ़ा अजर-अमर जवान बना रहना चाहता है। वह सब्जी-भाजी नहीं खाता है। कन्दमूल खाता है। वह पाखण्डी है।''

जीवन बाबू उन्मुक्त हँसी हँस उठे। शिवरतन। एक नरोत्तम दास नहीं, ऐसे उनके दास है जिन्हें दूसरों की हँसी उड़ाने में मजा आता है। वे लोगों के ऐब ढूँढते फिरते है, पर मालूम शिवरतन! हाथी चले बजार..... इसके आगे मै नहीं कहूंगा क्योंकि मैं किसी को अपशब्द कहू।

शिवरतन भी अब खुल गये-''पर चाचाजी। वो आपको चिढ़ाते रहता है पर मैं उसे ठीक से कोई जवाब नहीं दे पाता। अब आप बताएॅं जब वो आप पर व्यंग्य कसे तो मैं उसे क्या कहूॅं?''

जीवन बाबू मोहक मुस्कराकर बोले-''किसी को जवाब क्या देना। जिसका जो स्वभाव होता है वैसा वह करता है। उत्तर देने से व्यर्थ मनमुटाव होगा। इसलिए एक चुप, हजार सुख। हॉं मैं सबेरे योगासन दोपहर में घर का काम काज और शाम को ध्यान इसलिए करता हूँ कि, मैं स्वस्थ रहू और मैं मरूॅं भी तो स्वस्थ मरूॅं!

शिवरतन जिज्ञासु हो उठे-'चाचाजी! स्वस्थ मरू'' क्या मतलब, मै समझ नहीं पाया।

जीवन बाबू बड़े स्नेह से शिवरतन के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा ''स्वस्थ मरू यानी, आई हिचकी मौत की और सो गए!''

बालाजी मंदिर के पास
स्टेशन पारा राजनांदगांव

कविता
मैं दीपक हूँ, जल रहा हूँ

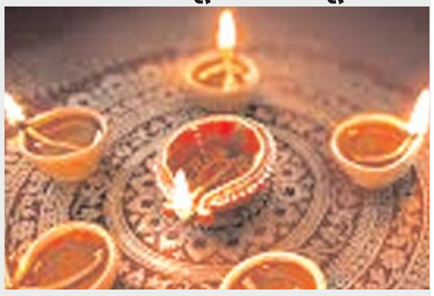

मैं दीपक हूं,, जल रहा हूं,
अंधेरे को रौशन करने
अपने आप में गल रहा हूँ।
मैं दीपक हूं..................
देश, समाज का,
पहरेदार हूँ।
अपने अस्तित्व को मिटाता
जलता घर-घर,
द्वार-द्वार हूँ।।
सबके ह्रदय में, पल रहा हूँ।
मैं दीपक हूँ, जल रहा हूँ।।
तम को मिटाना,
मेरा कर्म है।
जग को ज्योर्तिमय करना,
मेरा धर्म है।
ज्ञान के उजास से
सराबोर हो समूचा जग
परमार्थ के लिए सबल रहा हूँ।
मैं दीपक हूँ,..................
दीप पर्व पर लोग,
दीप दान करते हैं।
पूनीत पर्वों में
नदी-सरोवरों में स्नान करते हैं।
जगमगाता हूं
विशाल जलराशि में
लोग उजास का मुझे,
पर्याय मानते है ।
अतीत से वर्तमान का बल
रहा हूँ।
मैं दीपक हूँ ....
अंधेरे को रोशन करने
अपने आप में गल रहा हूँ।
मैं दीपक हूं,,,

शेरसिंह गोंड़ीया
'मयारु माटी'
कोलियारी (गैंदाटोला)
छुरिया

कविता
आओ मनाएं नया दिवाली

पूजा करो लक्ष्मी का पर....
एक दीपक मां के पद पर, तिलक लगाओ रज का,
पूजा कर लो मां बाप का, धन-धन देगी आशीर्वाद,
फलों फूलोंगे जीवन होगा आबाद।।
घर बार को करें सफाई पर....
अपने मन को भी जरा कर ले साफ,
अपने दुश्मन को भी करें माफ।।
दिवाली में रंग रोगन पर.....
तुम करते हो रंग रोगन लिपाई पुताई,
इस दिवाली मन की मैला का,
कर लो धुलाई, तभी सार्थक है दिवाली।।
पहन कर नया कपड़ा चकाचक पर...
शत्रु-अरि आज भी वही पुरानी,
मन कोमल निर्मल हो इस दिवाली,
भले कपड़े हो वही पुरानी।।
वनवास की हिम्मत भले ना हो पर...
घर में रहकर मर्यादा राम बनो,
साहस और धैर्य से माता सीता,
लक्ष्मण सा भाई और सेवादार बनो।।
फोड़ो फटाका, फुलझड़ी पर....
अपना गुस्सा और बुराई, दूसरों पर तुम ना छोड़ो,
छोड़ो तमाशा, फोड़ो फटाका, जलाओ तुम खुशियों की लड़ी,
आओ मनाएं नया दिवाली।।
खाते हो तुम खूब मिठाई पर....
मीठा खाकर तुम मुंह मीठा कर जाते हो,
पर वही पुरानी जबान निकलती,
कठोर, कसैला, जबान फिसलती,
मीठा खाजा मीठा बोली,
आओ मनाएं नया दिवाली,
राम कहता सबको हैप्पी दिवाली।।

रामलाल साहू, प्रधान पाठक
प्राथमिक शाला कट्टाहा नवागांव, खैरागढ़,केसीजी

कविता
'अईसन घर म रोज देवारी हे'

जेन घर म बहु बेटी संस्कारी हे।
बेटा मन आज्ञाकारी हे।
कोठा म गऊ माता तुलसी ह दुवारी हे।
जिहां दुलार देवईया महतारी हे।
अईसन घर म रोज देवारी हे।
जेन घर म न कभु कलह हे
एक दुसर ले सुनता सलह हे।
दया मया के सदा बहव हे।
शिष्टाचार से लगाव हे
मुख म सदा मीठ भाखा, न कहुबर गारी हे,
अईसन घर म रोज देवारी हे।
जिंहा महकत फुल फुलवारी हे।
बाग बागीचा अऊ मयारू माटी हे।
हांसत कुलकत नतनिन अऊ नाती हे।
नाती के हाथ म बांटी अऊ नतनिन के पाव म छांटी हे।
अईसन घर म रोज देवारी हे।
पारा परोस सब मिल के राहय
एक दुसर के दुख सुख म सकलाय
जो कुछ हे अपन घर म
उहीच ल सब मिल के खाय।
जिंहा दाई ददा के नितपुछारी हे,
अईसन घर म रोज देवारी हे।

आनंदराम सार्वा
कु.बो.भाठागांव

कविता
प्रतिदिन आशाओ के दीप जलाते रहे

एक दिन पहुंचेंगे सफलता के द्वार पर
जीवन मे मिलते निरंतर धुप-छाँव पर
हर काज पर सम्पूर्ण ऊर्जा लगाते रहे
प्रतिदिन आशाओं के दीप जलाते रहे
आश निराश के बीच के इस सफर में
प्रभात में उगते सूरज के नवकिरण में
प्रतिपल मे नई-नई उम्मीद जगाते रहे
प्रतिदिन आशाओं के दीप जलाते रहे
धैर्य का दामन सदैव थामकर बढ़ना
रास्तो के रोडे से कभी नहीं है डरना
साहस से हरकदम आगे बढ़ाते रहना
प्रतिदिन आशाओं के दीप जलाते रहे
ये जीवन सफर है ये बस चलता रहेगा
इसमें कोई आगे तो पीछे चलता रहेगा
सफर है तो सफर को आगे बढ़ाते रहे
प्रतिदिन आशाओं के दीप जलाते रहे
दिवाली जीवन में नया सवेरा लायेगा
घर आँगन कों खुशियों से भर जायेगा
खुशियों की फुलझड़ी ही जलाते रहना
प्रतिदिन आशाओं के दीप जलाते रहे

प्रमेशदीप मानिकपुरी
आमाचानी धमतरी छ.ग.

कहानी
नया वृद्धाश्रम

मानसिंह 'मौलिक'

घर के हाल में एक महिला कांस्टेबल और हवलदार बैठे थे। माँ भारती मुंह लटकाए बैठी थी। हवलदार ने कहा 'आपकी माता जी ने गहने चोरी होने का रिपोर्ट-दर्ज कराई है।'

सुनकर अजीत गंभीर हुआ। सुमित्रा और सौम्या बहू खड़ी थी माँ क्यों तमाशा बना रही हो, इतनी बड़ी बात, पहले घर वालों को बताना चाहिए था?

'माँ मेरे ऊपर लांछन लगाना छोड़ो। कितनी बार मुंह की खायी हो फिर भी अकड़ नही गई।'

ठीक है इस बार मैं गलत हुई तो जो सजा देना होगा दे देना!

हवलदार बोला 'आपको किसके ऊपर शक है मां जी/'

आप घर की तलाशी लो, सब पता चल जाएगा। कौन चोर कौन साव?

'माता जी बहुत हो गया तुम्हारा साजिश करना। इस बार तुम झूठी हुई, तुम्हें वृद्धाश्रम में डाल दूंगा' अजीत चिढ़ गया बहुओं को भड़काते शर्म नही आती। घर का माहौल गंदा करते, हम लोगों को तनाव देती हो।

महिला कांस्टेबल को तलाशी में सुमित्रा के कक्ष से चार जोड़ी सोने का कंगन और एक गले का मोटा हार मिला। सुमित्रा गरजी 'मैंने चोरी नही की, मेरे साथ साजिश किया गया है। सीधे से बता दो किसकी चालकी है वर्ना इस बार वृद्धाश्रम जाने से तुम्हे कोई नहीं बचा सकता।'

'हर चोर, चोरी पकड़े जाने पर तेरे जैसे ही बोल बोलता है। माँ बोली दूध का दूध, पानी का पानी हो गया।'

सुमित्रा गुस्से से बोली 'साजिश रचने वाले की तस्वीर मेरे मोबाइल में कैद है। 'वह अंधेरे में तीर छोड़ी ताकि असली बात का पता चले।

सौम्या घबरा गई 'दीदी! सारा कुचक्र माता जी का है। मुझे धौंस दिखा कर सारे गहने आपके पलंग के गद्दे के नीचे रखावाए गए थे।'

माताजी का गुस्सा फूट पड़ा 'मूर्ख झूठ बोलती है।'

अजीत ने प्रार्थना किया 'हबलदार साहब, अब ये घर का मामला हो गया। आप लोग प्रस्थान करिए हम लोग सुलह कर लेंगे।'

दोनों शांति से चले गए, तब अजीत आग बबूला हो गया 'माता जी अगर ये गहने आपके नही है। मैं इसे दोनों बहुओं में बाँट देता हूं।'

माँ का पासा उल्टा पड़ गया। वह बौखला गई। क्या बोले उसे सुझा नही। चुपचाप सिर नीचे किए बैठी रही।

सुमित्रा सारे गहने अपने कब्जे में ली' कल 11 बजे वृद्धाश्रम जाने के लिए तैयार रहना। मैं आवश्यक सामग्री केसाथ आपको वृद्धाश्रम छोड़ दूंगी।'

माँ जानती थी अब कुछ बोलने से कोई फायदा नहीं उसके अपने बेटे भी उसके खिलाफ थे।

मॉ वृद्धाश्रम के टूटे-फूटे दरवाजे खिड़की देख भॉप गई। यहाँ तो एक दिन भी गुजारा मुश्किल है। शौचालय और रसोई घर देख उबकाई आई। रात में मच्छर का आतंक अलग। इतनी सुविधा में रहने वाली माँ भारती का कलेजा काँप गया।

दूसरे ही दिन माँ वृद्धाश्रम त्याग घर पहुंची अपने सामान के साथ। क्या देखती है, उसके रूप में बड़ा सा ताला लटक रहा है। वह सीधे बड़ी बहू सुमित्रा के पास गई। सुमित्रा जानती थी माँ जरूर वापस आयेगी। वह चरण स्पर्श की। माँ के मुंह से एक बोल न फूटे। 'मुझे मेरे कमरे की ताले की चाबी दो/ 'वह रौब से बोली' देखती हूं मुझे इस घर से कौन निकालता है।'

'माँ ये चाबी आपको उसी वक्त मिलेगी जब आपको अपने बूरे कर्मो पर पछतावा होगा।'

'अपने बेटें से बोलकर तुम्हे घर से निकलवा दूंगी।'

'एक बात आप भी जान लो सारी घटनाओं का रिकार्ड मेरे पास है। कोई बेटा आपको साथ नही देगा। यह बात आप भी जानती हैं। घरेलू हिंसा और साजिश रचने के आरोप में जेल भेज दूंगी तब तुम्हे अक्ल आयेगी। दोनों पुलिस वाले भी मेरे पक्ष में हैं।'

सौम्या चरण स्पर्थ की 'माँ आपको अपना नया वृद्धाश्रम दिखाती हूं । जब आप सुधर जाने का प्रमाण देंगी, आपके सारे गहने सहित आपका पहले वाला प्रिय कमरा वापस कर देंगे।'

माँ समझ गई, अब दाल गलने वाली नही है। चुपचाप सौम्या के साथ कमरे में आयी।

इनके परिवार में किराना का थोक व्यापार होता है। एक दिन छोटे बेटे रमेश को दुखड़ा सुनाने गई' बेटा मै कुछ कहना चाहती हूँ।

माँ-कुछ कहने की जरूरत नही है। बहुओं ने आपके लिए बढ़ीया इंतजाम किया है। खावों-पीयो, जियो और हमें भी जीने दो। अब आपका उम्र भजन-कीर्तन करने का है। क्यों संसार के लफड़े में पड़ती हो।

इतना सुनते ही माँ अपना सा मुंह लेकर लौट गई। रात में बड़े बेटे के पास गई 'मुझे पहले जैसे परिवार चाहिए। मैं आप लोगों के प्रेम विश्वास के बिना कैसे-जीऊंगी।'

माँ जैसा व्यवहार तुम दूसरों के साथ करोगी वैसा तुम्हे भी मिलेगा। रही बात बहुओं की उनके मन में कोई मलाल नहीं है। तुम्हारे लिए रसोइया, कपड़ा और सेवा के लिए नौकर है। तुम्हे और क्या चाहिए?

'बेटा-जब मैं बहुओं के तरफ देखती हूं, मुझे ऐसा लगता है वो मुझसे नफरत करती हैं।'

'ये आपका वहम है, आप उन्हे बेटी की तरह ममता दोगी तो आपको बेटियों जैसा प्यार, खातिरदारी और सम्मान मिलेगा।'

माँ अविश्वास भरे मन से लौटी, भुनभुनाने लगी सब जोरू के गुलाम हैं। खून खौल उठा, कैसे बदला लिया जाए सोंचने लगी। इस बार ऐसी योजना बनाऊंगी दोनों बहुओं को घर निकाला जरूर होगी।

उसी समय माँ भारती की मुंहफट और प्रिय सहेली रमा आते ही गले मिली, कान में फुसफुसाई' तेरे बड़े ठाट हैं। तेरी बहुएं बहुत खातिरदारी में लगी हैं। रसोइया, नौकर-चाकर घर गृहस्थी की सारी चीजें अलग, कितना चाहती है तुझे।'

'ठेंगा! मेरे दस लाख के गहने जपत लिए कहती हैं। अपने मन, दिल, दिमांग शुद्ध होने का प्रमाण दो तब गहने मिलेंगे।'

'तू खुद उनको सताती है। कोई कितना झेले तुम्हे। वृद्धाश्रम घर में बनाकर रईसों जैसा सुविधा देना बड़े दिलदारी, सुझबुझ और सम्मान की बात है। तू अपने बहुओं को समझ नहीं पाई।'

'तो तूही बता, मैं अपने सुधरने का प्रमाण कैसे दूं?

रमा उसके कान में धीरे से बोली 'तू एक बार अपने सच्चे मन से आजमा के देख, थोड़ा झुक कर काम बना सकती है।'

दूसरे दिन दोपहर अजीत भोजन कर रहा था। माँ वहां पहुंच बोली कोई भूखे आत्मा को भोजन करा दो?

अजित भड़का 'ये क्या ढोंग है? माँ कह कर कमरे में चली गई। सुमित्रा समझायी' नाराज क्यों होते हो जी, माँ को रसोइए का भोजन पसंद नही आया होगा या रसोइया नही आई होगी। वो अपने बहुओं से ही मांगेगी न!

'वो सीधे ढंग से मांग सकती थी ?

'आप तनाव न लें, हमलोग संभाल लेंगे।'

थोड़ी देर बाद दोनों बहुएं प्रेम से माँ को उसके कमरे में भोजन करवा दी। माँ ने ढेर सारी आशीष दी। 'दूधो नहाओ पूतों फलो।'

उस दिन से परिवार में सामंजस्य होने लगा । एक दिन रसोइए ने आकर बताया कि माँ पीड़ा से कराह रही है । दोनों ने माँ की मालिश की। मां ने मुस्काते हुए आशीष-दिए।

परिवार में मधुर संबंध बढ़े। सभी एक दूसरे का आदर करने लगे।- सुमित्रा ने गहने व सौम्या ने चाबी वापस कर दी तुम दोनों ने मान लिया है मैं सुधर गई हूं। मगर मेरे पास तुम्हे देने के लिए आशीर्वाद के शिवाय कोई सबूत नहीं है। माँ प्रसन्नता से दोनों बहुओं को गले लगाया। एक एक जोड़ी कंगन दोनों को भेंट में दी 'मानों या न मानों मै इससे ज्यादा कोई प्रमाण नहीं दे सकती' हम दोनों आपके सबूत और आशीष से संतुष्ट हैं 'सुमित्रा खुशी से चहकी' आपकी कृपा आशीष से हम दोनों माँ और आप दादी बनने वाली हैं।

सौम्या कब पीछे रहने वाली थी 'माँ आपको घर सौप हम भी-प्रमाण देंगे की आप ही हमारी प्यारी सासू माँ हैं।'

माँ ने अपने चरण में आशीर्वाद के लिए झुके दोनों बहुओं को खुशी से गले लगा लिया।'

लेखक-मानसिंह मौलिक
महामाया चौंक, बसंतपुर राजनांदगांव

(दीपावली पर व्यंग्य सुरसुरी)
दिल से मिले दिल, तब ही हुई दीवाली

आत्माराम कोशा 'अमात्य'

दीपावली दिल वालों का त्यौहार है। इस त्यौहार में दिल खोलकर खर्च करने पड़ते हैं इसलिए यह काफी खर्चीला त्योहार है, पर इसकी महिमा कम नहीं, लीला अपरंपार है। यह त्यौहार बारिश में भीगे घर-द्वार, आंगन-चौबार को जगमग कर देता है। चहुंओर जगमगाते दीप जीवन को रंगीनियों से भर देता। नया मन, नए वसन, नई चेतना, नव आभूषण, लोगों को उल्लासित कर देता है। फटाके की धूम-धड़ाका होती है। नसों में उत्सवी रंग बहने लगता है। बाजार में बूम रहती है और यह माहौल गौरा गीतों के साथ झूमता और गोवर्धन पूजा के साथ मदमस्त होता है।

हालांकि यह दीवाली कई लोगों का खर्चे में दीवाला निकाल देता है । पर खुशियों के इस पर्व में लोग एक-दूसरे से मिलकर न केवल बधाई देते हैं, दीवाला निकलने की शुभकामनाएं भी दे दिया जाता है।

पर उनका क्या, जो निराश हैं, न उनके जीवन में आस है और न उल्लास है। ऐसे लोगों का जीवन सिर्फ खाली ही खाली है। न उनके जीवन में दीप है और न कोई दीवाली है।

वह तो सिर्फ यही कहता है, जगमगावत हे, महल अउ झोपड़ी है खाली,, ये कइसे दीवाली रे,, संगी,, ये कइसे दीवाली,,

तो, दूसरा कहता है- पहले भी रात आई,, पर थी न इतनी काली,।

पहले भी जले थे दीप,, पर थी न वो खुशहाली,

पहले भी हम मिले थे,, पर लगता था कुछ खुलुस था।

जब दिल से मिले दिल,, तब ही हुई दीवाली,,।

दीपावली का इस तरह डेफिनेशन सुन कर निश्चय ही मेरा दिल बाग-बाग हुआ। पहले औढ़व सुरों की रागिनी थी जो सात सुरों का राग हुआ। इससे मेरा दिल चंगा भी हुआ। पहले जो एक बरसाती नाला था अब जमुनी ओ गंगा हुआ।

कहा जाता है कि चाहे कोई भी पर्व त्यौहार हो, दिल का बहुत बड़ा रोल होता है। ये दिल है, जो भरा है तो खुशियों को बोता है नहीं तो सुबक- सुबक कर रोता है।

कहते है 'दिल एक मंदिर है', लेकिन इसमें सनातन धर्म के 36 कोटि के देवी-देवताओं में एक भी निवास नहीं करते। 'प्यार की इसमें होती है पूजा ईश्वर का घर है' कहा जाता है। इस हिसाब से दिल को निराकार, निरंजन और अमूर्त बता दिया गया है। लेकिन दिल धड़कता है,, उसका क्या, और किसी पर आ भी जाता है। तो फिर लोग 'चलो दिलदार चलो,, चांद के पार चलो' का हिम्मत रखते हुए आसमान में उड़ने लगते हैं। वहीं 'दिल-विल प्यार- वार मैं क्या जानूं रे',, कहने वाले लोग भी बहुत हैं जो दिल के लफड़े में नहीं पड़ना चाहते। वह इसलिए कि 'दिल तो बच्चा है जी' और बच्चों की बात पर क्या आना,,?

बहरहाल,, दिल समझता भी है और दूसरों की बात सुन भी लेता है। तभी तो 'दिल की बात सुने दिल वाला,, छोटी सी बात न मिर्ची-मसाला' जैसी बाते कह दी जाती है। तो कुल मिलाकर देखा जाए तो दिवाली त्योहार, दिल पर ही आकर ठहर जाता है। चाहे कोई वह इस तरह गाकर कि- एक वो भी दीवाली थी, 'एक ये भी दिवाली है,, हंसता हुआ बचपन है रोता हुआ माली है',, अपने दिल को दिलासा दिला ले, लेकिन दिल जहां के तहां बना रहता है। आखिर दिल है ही ऐसी चीज जो किसी न किसी पर आ ही जाता है। और किसी पर आ गया तो यह कहते हुए कि 'मुझे नींद न आए,, मुझे चैन न आए, मुझे सारी- सारी रात जगाए, कि जाने कहां दिल खो गया, न, जाने कहां दिल खो गया कहते हुए दीवाना बना फिरता है। पर इससे कुछ होता नहीं भाई,, दिल वाले है,, तो दुल्हनिया ले ही जाएंगे,, अब जिनको दीवाला निकालना ही है तो उसे कौन रोक सकता है। कौन टोंक सकता है,, बेहतर यह है कि हम इस दिल के लफड़े-झफड़े में न पड़ें, जितनी हैसियत है उतनी ही दीवाली की खरीदी करें , और खुशियों के दीप जलायें,,, खुशी-खुशी दीपावली मनाए,

तब खुशियों का रंग बिखरेगा, यह कहते हुए कि- दिल चीज क्या है,, आप मेरी, जान लीजिए,, बस एक बार मेरा कहा मान लीजिए,, शुभ दीपावली,,।

राजनांदगांव

दीपावली का यह पवित्र पर्व सभी नगरवासियों
के जीवन में सुख और समृद्धि लाए
दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं
SUN
GROUP
रचित अग्रवाल
शशांक अग्रवाल
रामाधीन मार्ग, राजनांदगांव (छ.ग.)

इस शुभ अवसर को खुशी, प्यार और शांति से
भरे दिल के साथ मनाते हैं, सौंदर्य और दिए की
रौशनी अनंत खुशी आपके जीवन और दिल को भर दे...
समस्त प्रदेशवासियों को
Happy Diwali
दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
परवेज अहमद
समाजसेवी

इस शुभ अवसर को खुशी, प्यार और शांति से
भरे दिल के साथ मनाते हैं, सौंदर्य और दिए की
रौशनी अनंत खुशी आपके जीवन और दिल को भर दे...
समस्त प्रदेशवासियों को
Happy Diwali
दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं
नीलू शर्मा
अध्यक्ष छ.ग. पर्यटन
मण्डल (केबिनेट मंत्री दर्जा)

समस्त जिलेवासियों को
दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
योगेश दत्त मिश्रा
अध्यक्ष, छ.ग. श्रम कल्याण मण्डल

दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
आनंद चोपड़ा (पप्पी)
अध्यक्ष
महावीर सनसिटी, राजनांदगांव

दीपोत्सव पर्व
की समस्त जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश डाकलिया
पूर्व महापौर-राजनांदगांव

दीपावली व गोवर्धन पूजा
की शहरवासियों को
हार्दिक बधाई....
सुनील पान पैलेस
विजय जूस कार्नर, विजय कैफे,
जी.के.एस कृषि फार्म, भोले ट्रेवल्स
लालबाग, जी.ई.रोड, राजनांदगांव

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
अनिल राईस मिल
लखोली रोड, राजनांदगांव (छ.ग.) फोन.नं.- 224107

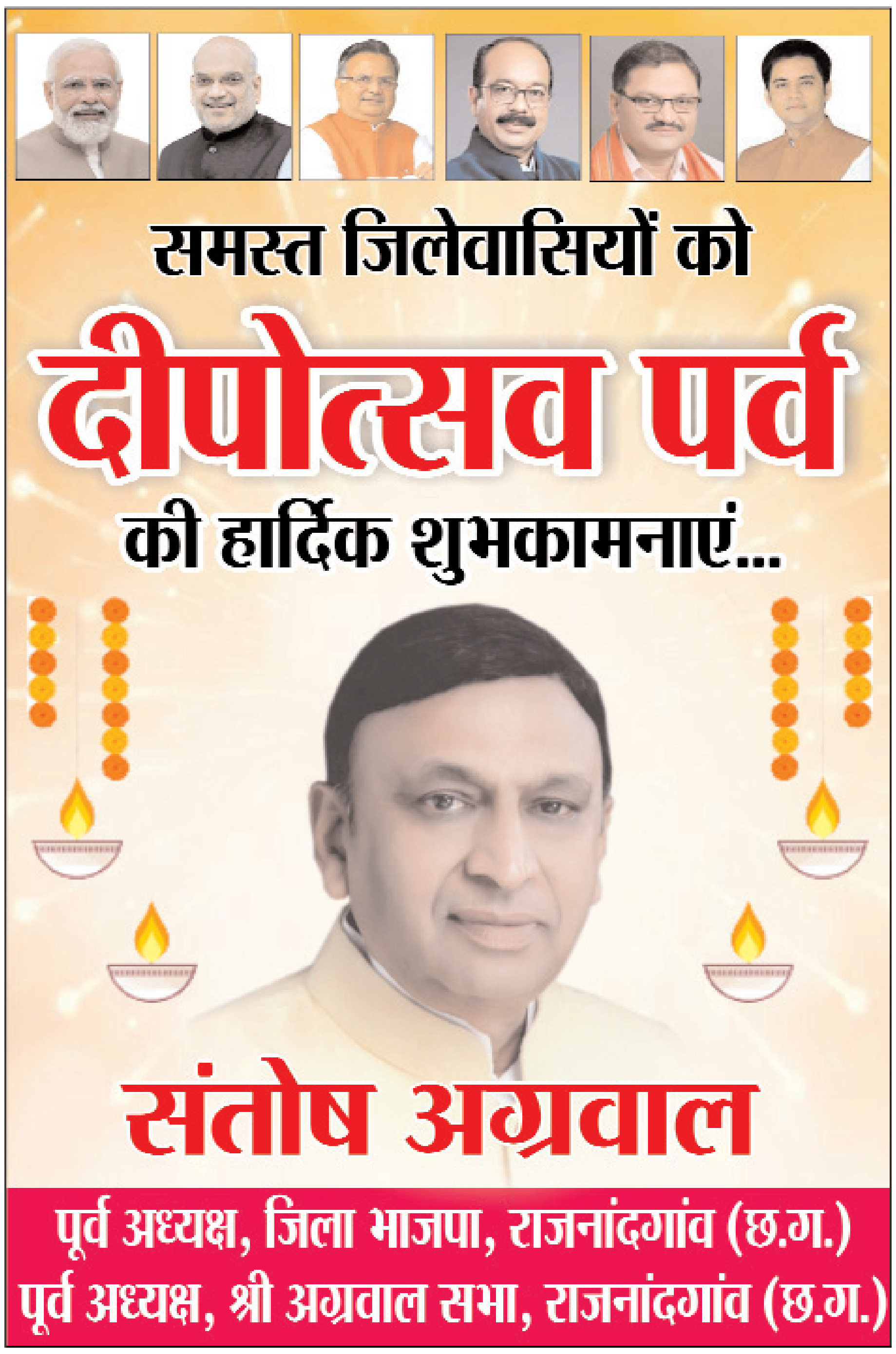
समस्त जिलेवासियों को
दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
संतोष अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, जिला भाजपा, राजनांदगांव (छ.ग.)
पूर्व अध्यक्ष, श्री अग्रवाल सभा, राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपावली का यह पवित्र पर्व
सभी जिलेवासियों के जीवन
में सुख और समृद्धि लाएं
दीपावली पर्व
की समस्त जिलेवासियों
को हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
श्रीमती किरण वैष्णव
अध्यक्ष
जिला पंचायत राजनांदगांव
रविन्द्र वैष्णव
विधायक प्रतिनिधि
जिला पंचायत राजनांदगांव

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
जिला परिवहन कार्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
लोक निर्माण विभाग
राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
विभाग, राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
मंडल, राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
जिला शिक्षा विभाग
राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
राजनांदगांव (छ.ग.)

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं..
एक शुभचिंतक
राजनांदगांव (छ.ग.)

‘स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ’ के नारों से गूंजा महाकाल चौक

राजनांदगांव (दावा)। महाकाल चौक में शुक्रवार को कैट, स्वदेशी जागरण मंच एवं पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में ‘वोकल फॉर लोकल’ कार्यक्रम एवं पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शिव वर्मा, पार्षद शैकी बग्गा, पार्षद मणि भास्कर गुप्ता, पूर्व पार्षद शरद सिन्हा, गुरमुख दास वाधवा, प्रदेश कैट संरक्षक अनिल बरडिया, जिला अध्यक्ष राजू डागा, भावेश अग्रवाल, संजय तेजवानी, सौरभ खंडेलवाल और स्वदेशी जागरण मंच से राजकुमार शर्मा, श्रीमती संगीता शुक्ला, अमलेश राय, सुरेश पंजवानी, प्रकाश कांकरिया, राहुल जायसवाल, फातिमा बी सोलंकी, दयाशंकर जायसवाल, विष्णु प्रसाद लोहिया, वरुण भास्कर, रोहित माखीजा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पत्रिका से जिला ब्यूरों प्रमुख कुलदीप मोहन ने भी आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

0 पत्रकारों का हुआ सम्मान
0 कपड़े के झोले एवं पेड़ बांटे गए

पत्रकारों का हुआ सम्मान

समारोह में राज्य एवं संभाग स्तरीय अधिमान्यता समिति में शामिल सूरज बुद्धदेव, अशोक पांडे एवं शशांक तिवारी सहित शहर के कई पत्रकारों किशोर शिल्लेदार, खेमराज वर्मा, अखिलेश खोब्रागड़े, अमित चटर्जी, विकल्प श्रीवास्तव, मनोज देवांगन, नितिन खोब्रागड़े, दीपक साहू आदि को शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि पत्रकार समाज के प्रहरी हैं, जो सच्चाई को जन-जन तक पहुँचाते हैं।

‘स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ’ के गूंजे नारे

कार्यक्रम स्थल ‘स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ’, ‘जब भी बाजार जाएंगे, स्वदेशी सामान लाएंगे’ और ‘भारत की मांग, वोकल फॉर लोकल’ जैसे नारों से गूंज उठा। स्वदेशी जागरण मंच के सदस्यों ने लोगों से विदेशी वस्तुओं के बजाय देशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया।

जागरूकता के लिए झोले और पंपलेट का वितरण

आयोजन से जुड़े सभी लोगों को कपड़े के 150 झोले वितरित किए गए ताकि प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश समाज तक पहुँचे। साथ ही एक जानकारी पूर्ण पाम्पलेट भी बांटा गया, जिसमें बताया गया कि, कौन-से उत्पाद स्वदेशी हैं और कौन-से विदेशी। इसका उद्देश्य लोगों को खरीददारी के समय सही निर्णय लेने के लिए जागरूक करना था। पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु आम नागरिकों को पेड़ पौधों का वितरण किया गया। कैट, स्वदेशी जागरण मंच और पत्रिका के प्रतिनिधियों ने कहा कि स्थानीय उत्पादों का प्रयोग करना सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भागीदारी है। आने वाले त्योहारी मौसम में ‘वोकल फॉर लोकल’ को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया गया। इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि ‘स्वदेशी अपनाओ, देश को सशक्त बनाओ।’ कार्यक्रम ने समाज में आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण का नया संदेश दिया।

बागड़ी ब्रदर्स में ट्रिपल इंजन वाला ऑफर अगले तीन दिनों तक

राजनांदगांव (दावा)। बागड़ी ब्रदर्स रामाधीन मार्ग के शोरूम में इन दिनों जो जीएसटी 2.0 रिफॉर्म के चलते 10 प्रतिशत जीएसटी कम किया गया था, उसके कारण एवं विशेष दिवाली डिस्काउंट के चलते टीवी, डिशवॉशर एवं एसी में ग्राहकों का विशेष रुझान इन दिनों देखा जा रहा है। बजाज फाइनेंस के द्वारा ग्राहक 0 प्रतिशत ब्याज में 0 डाउन पेमेंट एवं 0 प्रक्रिया चार्ज अर्थात ट्रिपल जीरो स्कीम के तहत बड़ी एलईडी टीवी, एसी एवं डिशवॉशर अब आसानी से खरीद रहे हैं। बागड़ी ब्रदर्स में इन दिनों कुल मिलाकर 49 प्रतिशत तक की छूट अगले तीन दिनों तक ग्राहकों को दी जावेगी। सभी विश्व प्रसिद्ध कंपनियों के रंग-बिरंगे एवं लेटेस्ट मॉडल के रेफ्रीजरेटर एवं वाशिंग मशीन की विशाल श्रृंखला इन दिनों बागड़ी ब्रदर्स के शोरूम में ग्राहकों द्वारा पसंद की जा रही है। इन दिनों ग्राहकों का रुझान 55 इंच, 65 इंच या फिर 75 इंच के टीवी की तरफ ज्यादा है।

10 प्रतिशत जीएसटी कम होने के कारण तथा बागड़ी ब्रदर्स द्वारा विशेष दिवाली छूट के चलते ग्राहकों को काफी कम दामों पर बड़ी एलईडी टीवी प्राप्त हो रही है। ग्राहक अपने घरों के पुराने मॉडल के टीवी वापस कर बड़ी एवं लेटेस्ट एलईडी टीवी खरीद रहे हैं। एआई तकनीकी से युक्त लेटेस्ट वॉशिंग मशीनों की जबरदस्त रेंज देखकर ग्राहक अचंभित है। बागड़ी ब्रदर्स के तीन मंजिला फर्नीचर शोरूम जो कमल टॉकीज के पास रामाधीन मार्ग में स्थित है, में पहली बार दीपावली के मौके पर फर्नीचर की विस्तृत रेंज 49 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध है। इन दोनों बहुत बड़ी संख्या में ग्राहक बिना 1 रूपये दिए भी अर्थात 0 रूपये देकर अपना मनपसंद प्रोडक्ट बजाज फाइनेंस की सुविधा से अपने घर ले जा रहे हैं। 48 वर्षों से यह प्रतिष्ठान अपनी विश्वसनीयता एवं भरपूर प्रोडक्ट रेंज के कारण आज भी ग्राहकों की पहली पसंद बना हुआ है। बागड़ी ब्रदर्स के संचालक गौरव बागड़ी में बताया है कि आज भी हमारी पहली कोशिश यह रहती है कि, ग्राहकों का जो विश्वास हमारे ऊपर बना हुआ है। उसके चलते हम उच्च स्तरीय लेटेस्ट चीजें न्यूनतम दामों पर ग्राहकों को उपलब्ध करा पायें। अगले तीन दिन हम चाहते हैं कि, अधिक से अधिक ग्राहक बढ़ी हुई वारंटी, बहुत ही आसान फाइनेंस सुविधा के साथ काफी कम दामों पर अपना मनपसंद प्रोडक्ट खरीद लेवें अथवा बुक कर लेवें। उनका कहना है कि, हर वर्ष की तरह हमारे प्रतिष्ठान द्वारा अगले तीन दिन हर ग्राहक को आकर्षक उपहार निश्चित रूप से दिया जाएगा। एयर कंडीशन भी इन दिनों ऑफ सीजन छूट के चलते एवं जीएसटी में कमी होने के कारण 1.5 टन का एसी 25000 से भी कम कीमत पर उपलब्ध है।

बालाजी धाम मंदिर में 22 को अन्नकूट महोत्सव

56 भोगों से होगी भगवान बालाजी महाराज की पूजा-अर्चना

राजनांदगांव (दावा)। गंज चौक समीप पुराने गंज मंडी में स्थित बालाजी धाम मंदिर में मंदिर समिति व बाल समाज के द्वारा 22 अक्टूबर बुधवार को अन्नकूट महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। बालाजी धाम मंदिर के पुजारी हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि 22 अक्टूबर की अपराह्न 4 बजे से प्रारंभ होने वाले अन्नकूट महोत्सव के दौरान भगवान बालाजी महाराज की पूजा-आराधना के साथ 56 व्यंजनों का चढ़ावा चढ़ाया जाएगा। भगवान जी को भोग लगा कर उक्त प्रसादी भक्तों में वितरित की जाएगी। इस अवसर पर सभी धर्मप्रेमी लोगों को उपस्थिति की अपील की गई है।

कलेक्टर ने वार्ड 18 ममता नगर और वार्ड 2 नवागांव का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

ममता नगर में नाली की नियमित सफाई के दिए निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 18 ममता नगर और वार्ड क्रमांक 2 नवागांव का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ममता नगर में नाली की नियमित सफाई के निर्देश दिए। साथ ही एक स्थान पर फेंके गए कचरे को तत्काल साफ किए जाने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए। कलेक्टर ने वार्डवासियों से चर्चा कर सफाई व्यवस्था की जानकारी ली तथा गीला व सूखा कचरा पृथक-पृथक रखे जाने एवं स्वच्छता दीदियों को डोर टू डोर संग्रहण के दौरान दिए जाने हेतु प्रेरित किया। वार्ड क्रमांक 2 में नाली सफाई की व्यवस्था पर असंतोष जाहिर किया। जिस पर उनके सामने ही सफाई प्रारंभ कराई गई। उन्होंने भविष्य में भी सप्ताह में 1 से 2 बार सफाई के लिए निर्देशित किया। जिसके 2 घंटे बाद ममता नगर स्थित मुक्कड़ पाईंट की सफाई का कार्य पूर्ण किया गया। उल्लेखनीय है कि दीपावली पर्व के दृष्टिगत शहर में तथा अन्य नगरीय निकायों में अभियान चलाकर साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com

वार्षिक राशिफल - संवत 2083

मेष राशि (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

यह साल रिश्तों के लिए अच्छा रहेगा। प्रियजनों के साथ समय व्यतीत कर आपको खुशी मिलेगी। रिश्तेदारों के साथ भी आप प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे, जिससे वे भी आपसे संतुष्ट रहेंगे। घर में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है। इससे घर परिवार का माहौल भी खुशनुमा रहेगा। प्रेम संबंध भी अच्छे रहेंगे। आपमें काफी जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस दौरान आपको अपने लोगों के साथ निकटता बढ़ाने पर भी ध्यान देने की जरूरत है। कुल मिलाकर कहें तो इस साल आपका एकमात्र लक्ष्य शांति पाना होगा। आप घर पर हों, या काम पर, दोस्तों के साथ हों या दैनिक गतिविधियों के लिए बाहर हों, आप शांत, संयमित और तनावमुक्त रहेंगे। राशिफल 2026 कहता है कि आपको दूसरों के जीवन में भी खुशियां लाने का प्रयास करना होगा। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपके जीवन में भी खुशियां आएंगी। इसे इस तरह समझ सकते हैं कि अगर आपको कुछ पाना है, तो दूसरों को देने की कोशिश करें। इसके लिए आप दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार रखें और मधुर बोलें। आपके जीवन में संघर्ष, मेहनत, चुनौतियों और सफलता का मिश्रण होगा। आगे एक कठिन दौर आने वाला है, लेकिन उसके बाद आपको सुखद परिणाम मिलेंगे। आपको अपना ध्यान बढ़ाने की जरूरत होगी। खुद में विनम्रता, कृतज्ञता और सकारात्मकता को बढ़ावा देना होगा। इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी हार को भी स्वीकार करें, इससे परेशानी हो सकती है। यह समय खुद के सामने चुनौती पेश करने और सूझबूझ को निखारने वाला है। एक बात जान लें, कि ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसे आप हासिल नहीं कर सकते। विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। अगर आप मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं तो काम के सिलसिले में और अगर आप बिजनेस करते हैं और आपका बिजनेस इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़ा है, तो भी काम के लिए आपको कई बार विदेश यात्रा करनी पड़ेगी। इससे आपके खर्चे तो बढ़ेंगे ही, शारीरिक चुनौतियां भी आ सकती हैं। इसलिए जब भी यात्रा करना हो, पहले अपने जरूरी कार्यों को समय पर निपटा लें। वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि अभी आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। इसके लिए आपको अच्छी नींद लेने की जरूरत है।

वृषभ राशि (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)

वृषभ राशिफल 2026 आपको परिजनों के साथ समय व्यतीत करने का संकेत दे रहा है। इस साल, अपने परिवार और दोस्तों के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर ध्यान दें। एक बात ध्यान रखें कि आपको अपने परिजनों को नजरंदाज नहीं करना है। अपनी उपलब्धियों का जश्न उनके साथ मनाएं, तब आपको महसूस होगा कि वास्तविक खुशी तो यहीं है। अपनों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उनसे केवल मदद की उम्मीद न करें, बल्कि उनके लिए भी एक मार्गदर्शन बनें। अगर घर में शांति रहेगी तो बाहर भी सब अच्छा ही होगा। लाइफ पार्टनर की सेहत पर ध्यान दें। परिवार के बड़ों का ध्यान रखें और उनकी बातों पर ध्यान दें।

वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि अभी आप आलस्य को खुद पर हावी न होने दें। इसलिए खुद में उत्साह लाएं और व्यायाम के साथ ही कुछ नया करने की कोशिश करें। कोई ऐसी रेसिपी सीखें जो आप बनाना चाहते थे। अपने दोस्तों से मिलें और उम्मीद का दामन पकड़ कर रखें। 2026 राशिफल के अनुसार, अगर आप अपनी भावनाओं को संभाल नहीं पाएंगे, तो समय मुश्किल लग सकता है।

आप प्रतिभाशाली हैं और हर विपरीत परिस्थिति का सामना करने में सक्षम हैं, लेकिन इसके लिए आपको खुद पर विश्वास करने की ज़रूरत है। अगर आप खुद पर भरोसा करेंगे, तो आपको दूसरे लोगों का भी सहयोग मिलेगा। कोई ऐसा काम न करें, जो परेशानी का कारण बने। राशिफल 2026 आपको आर्थिक मामलों में सोच समझ कर हाथ डालने को कहता है। अभी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, अन्यथा आपको परेशानी हो सकती है। आप अपनी योग्यता से आसपास के लोगों को प्रभावित करेंगे। अभी विद्यार्थियों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है।

अचानक से विदेश यात्रा की स्थिति बन सकती है, इसके लिए तैयार रहें। अपनी गुप्त बातों को दूसरों के सामने साझा न करें, अन्यथा विरोधी इसका फायदा उठा सकते हैं।हिंदू नववर्ष अनुकूल और सुखद रहेगा। वृषभ राशि वालों को इस संवत में धार्मिक यात्रा का मौका मिलेगा। नौकरी में लाभ और प्रभाव बढेगा। संपर्क का दायरा बढेगा। वरिष्ठ लोगों से सहयोग पाएंगे।

मिथुन राशि (क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह)

मिथुन राशि के लिए संवत 2082 कमाई के साथ खर्च में भी वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको कमाई के कुछ नए स्रोत भी मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ नई जिम्मेदारी और चुनौती भी मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों और सहयोगियों की वजह से तनाव मिल सकता है। प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी। शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता पाएंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम बना रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य परेशान करेगा। स्वयं भी खानपान को संयमित रखें। आप पर शनि गोचर का काफी असर पड़ेगा। मिथुन राशि वालों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों में करियर में तरक्की की संभावना है, लेकिन मेहनत करनी होगी। पिता के साथ संबंधों को मजबूत करना और आत्मविश्वास बढ़ाना बाधाओं को पार करने के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन राशि वालों के लिए वर्ष की शुरुआत उम्मीद से धीमी हो सकती है। राशिफल 2026 के मुताबिक शुरुआती कुछ महीनों में अतीत की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। इस कारण निजी रिश्तों में थोड़ी बेचैनी रहेगी। आप भावनात्मक रूप से खुद को एक घेरे में महसूस कर सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ेगा, रिश्तों में स्थिरता और स्पष्टता आएगी। अपने साथी से संवाद बढ़ाएं और पुराने विवादों को सुलझाएं। मित्रों और परिजनों का साथ मिलेगा, जिससे मन में सकारात्मकता बनी रहेगी।

मिथुन वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि इस साल कार्यस्थल पर आपका परिश्रम रंग लाएगा। हालांकि करियर में परिवर्तन के लिए यह समय अनुकूल नहीं है, फिर भी जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें पहली तिमाही में अच्छे मौके मिल सकते हैं। व्यवसाय में सतर्कता बरतें और जल्दबाजी में निवेश से बचें। वित्तीय स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन पुराने प्रयासों से धीरे-धीरे मुनाफा मिलेगा। इस दौरान कोई भी निर्णय लेने में समझदारी बरतें।

वार्षिक भविष्यफल 2026 संकेत दे रहा है कि इस साल पढ़ाई में कुछ उतार-चढ़ाव रहेंगे लेकिन फोकस बनाए रखने पर सफलता मिलेगी। राशिफल 2026 के मुताबिक स्वास्थ्य के लिहाज से यह वर्ष मिलाजुला रहेगा। अभी थकान और तनाव से भी परेशानी हो सकती है। अध्यात्म और साधना से मन को शांति मिलेगी।

कर्क राशि (हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

हिंदू नव वर्ष 2082 के अनुसार कर्क राशि वालों के लिए यह साल व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लचीलापन और आंतरिक शक्ति का विकास चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने में मदद करेगा। अच्छी बात है कि माता-पिता का हर कार्य में सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि वालों के लिए संवत 2082 संवत मिश्रित रहेगा। परिश्रम का प्रतिफल पाएंगे लेकिन कमाई के साथ आपका खर्च भी बना रहेगा। बचत की आदत डालें तो बेहतर होगा नहीं तो धन जैसे आएगा वैसे ही जाएगा। कई बार आपके बनते काम भी अटक सकते हैं। विवाह योग्य जातकों के विवाह के संयोग बनेंगे। स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। परंपरा और धार्मिक विषयों की ओर रुझान बढेगा। वर्ष 2026 की शुरुआत प्रेम संबंधों और पारिवारिक मामलों में राहत देने वाली है। पुराने पारिवारिक झगड़े अब सुलझेंगे और परिवार के सदस्य आपकी सलाह को महत्व देंगे। आपके हाथ में कुछ ऐसे काम होंगे जिनमें आपके योगदान के बिना कोई आगे नहीं बढ़ पाएगा। इस दौरान रिश्तों को संभालना और मजबूत बनाना आपके लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। वार्षिक भविष्यवाणी 2026 के हिसाब से देखें, तो साल की शुरुआत कुछ खास बेहतर नहीं होगी, लेकिन साल के अंतिम चरण में आपको लाभ होगा। इस साल विदेश यात्रा के भी योग दिखाई दे रहे हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद वहां से आपका मन उचट जाएगा। राशिफल 2026 संकेत दे रहा है कि इस वर्ष आपको कुछ अच्छी खबरें मिल सकती हैं। कामकाज में आपकी योजनाएं रंग लाएंगी, खासकर यदि आपने वर्ष की शुरुआत में ही स्पष्ट लक्ष्य तय कर लिए हैं। नौकरी में भी पदोन्नति के योग हैं। यदि आप विदेश में अवसर तलाश रहे हैं तो साल के मध्य के बाद बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। राशिफल 2026 के मुताबिक व्यापारियों को साझेदारी में लाभ होगा, लेकिन जोखिम लेने से पहले हर पहलू पर अच्छी तरह विचार कर लें। अभी आपकी कार्यक्षमता बेहतर होगी। अगर आपने कोई योजना बनाई है, तो उसपर टिके रहें, सफलता जरूर मिलेगी। वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि शैक्षणिक क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सफलता मिलेगी और विदेश में अध्ययन की संभावनाएं भी बन सकती हैं।

सिंह राशि (मा, मी, मु, मो, टा, टी, टु, टे)

सिंह राशि के लोगों के लिए संवत 2082 मिश्रित फलदायी रहेगा। इस संवत में आप ढैय्या के प्रभाव में रहेंगे। लेकिन गुरु का शुभ प्रभाव भी रहेगा। ऐसे में सेहत को आपको ध्यान रखना होगा। खर्च भी आकस्मिक होगा। पिता की सेहत का ध्यान रखना होगा। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव और नई चुनौती मिल सकती है। वैसे आपको वाहन सुख और आर्थिक लाभ भी मिलता रहेगा। अक्टूबर से दिसंबर के बीच परेशानी बढ़ेगी लेकिन फिर स्थिति में सुधार दिखेगा। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी तनाव देगा।

साल 2026 आपके लिए एक अनूठा वर्ष साबित होने जा रहा है। ऐसा समझें कि एक क्रियाशील और लक्ष्य उन्मुख वर्ष आपका इंतजार कर रहा है। अपने सपनों का पीछा करें, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें और वह सब कुछ प्राप्त करें जिसके लिए आप राशिफल 2026 के अनुसार प्रयास कर रहे थे। आप अपने विचारों और रणनीतियों को सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं, जो आपने अतीत में सीखे थे। राशिफल 2026 कह रहा है कि इस साल प्रेम संबंधों में आपको सावधानी बरतनी होगी।

दोहरी सोच या एक से अधिक रिश्ते आपकी छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। परिवार से दूरी ना बनाएं। मानसिक शांति के लिए उनके साथ समय बिताना और संवाद बनाए रखना आपके लिए लाभकारी साबित होगा।

वार्षिक राशिफल 2026 के मुताबिक करियर के लिहाज से वर्ष की शुरुआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन आत्मविश्वास और योजना से आप नए मुकाम हासिल करेंगे। अगर आप नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं, तो सोच-समझकर आगे बढ़ें। इस दौरान खासकर साल के पहले दो महीनों में दूसरों के मामलों में ज्यादा दखल देने से बचें। नौकरी को लेकर विदेश जाने का भी मौका मिल सकता है। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रीत करें और उस दिशा में प्रयास करते हैं। स्पिरिचुअल या कलात्मक कार्यों से भी आपके पास आय के स्रोत बन सकते हैं। अगर आप निवेश करना चाहते हैं, तो सोच-समझकर आगे बढ़ें। राशिफल 2026 के अनुसार इस साल आपकी पढ़ाई में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन अनुशासन जरूरी होगा। हेल्थ को लेकर सतर्क रहें, खासकर विदेश यात्राओं के दौरान।

कन्या राशि (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

कन्या राशि के लोगों के लिए संवत 2082 शुभ और लाभदायक रहेगा। आपको इस संवत में आर्थिक लाभ और उन्नति मिलने का योग है। आपकी कमाई में वृद्धि होगी और आप अधिक संघर्षशील बनेंगे। वैसे कमाई के साथ आपका खर्च भी इस संवत में बना रहेगा। आपको इस संवत में कारोबार व्यापार में कुछ तनाव और परेशानी होगी लेकिन सुख साधन और वाहन आद के मिलने का भी योग बना हुआ है। पारिवारिक जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में भी अनुकूल स्थिति रहेगी।

राशिफल 2026 के मुताबिक यह वर्ष कन्या राशि वाले जातकों के लिए मध्यम फलदायक रहेगा। कन्या राशि के लोगों को इस वर्ष कई बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। वार्षिक राशिफल 2026 के अनुसार, निजी जीवन, करियर और संपत्ति के मामले में इस वर्ष आप कुछ चिंतित रहेंगे। आपके जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में नई घटनाएं होंगी। हालांकि, ये परिवर्तन आवश्यक होंगे और समग्र विकास की ओर ले जाएंगे। अभी आपको कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि यही वह कुंजी है, जिसके जरिए आप वह सब हासिल कर सकते हैं, जो आप चाहते हैं। वर्ष 2026 में परिवार और रिश्तों को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। आपको अकेलापन महसूस हो सकता है, लेकिन यह अस्थायी होगा। प्रियजनों से संवाद बढ़ाएं और आत्मनिरीक्षण करें। घर में धार्मिक आयोजन से वातावरण सकारात्मक बनेगा। इस दौरान आपको वरिष्ठों से भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आपको कभी-कभी अकेले रहना पसंद आएगा लेकिन आपको कोशिश करनी चाहिए। आप सभी लोगों के साथ उठते बैठते रहें और स्वयं को समय जरूर दें। 2026 वार्षिक राशिफल के अनुसार कड़ी मेहनत ही आपकी सफलता की कुंजी है। वैसे काम के लिहाज से यह साल आपके लिए थोड़ा व्यस्त रहेगा। कई बार अचानक खर्चों से भी सामना होगा। हालांकि, बिजनेस में आपको नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन बहुत सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। सरकारी योजना से जुड़ा निवेश या प्रॉपर्टी की खरीदारी से लाभ होगा। राशिफल 2026 कहता है कि अभी आपके खर्चे भी ज्यादा होंगे। परिवार के किसी सदस्य की सहेत पर भी खर्च हो सकता है। अगर आप विदेश जाना चाहते हैं, तो इसमें बाधाएं आ सकती हैं। ऐसे में आपको धैर्य रखना होगा।

तुला राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

की वृद्धि करने वाला रहेगा। अक्टूबर से दिसंबर के बीच समय कुछ उतार चढाव भरा रहेगा और इस समय आपको कार्यक्षेत्र के साथ ही आर्थिक विषयों और सेहत के मामले में ध्यान रखना होगा। वैसे कुछ मिलाकर पूरा संवत आपके लिए लाभदायक रहेगा। कमाई में भी वृद्धि होगी। धार्मिक यात्रा का संयोग बनेगा। और परिवार में किसी शुभ काम में आप शामिल भी हो सकते हैं। आपके काम सफल होंगे।

राशिफल 2026 के लिहाज से देखें तो यह साल योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने वाला समय है। एक बार अगर आप अपने लक्ष्य निर्धारित कर लेंगे, तो फिर आपको कोई भी आगे बढ़ने से नहीं रोक सकता। साल 2026 की शुरुआत यात्रा से होगी। बहुत सारी यात्राएं शुरुआती तिमाही में हो वार्षिक राशिफल 2026 के मुताबिक इस साल आपके प्रेम जीवन में स्थिरता और सीख दोनों देखने को मिलेंगी। यदि रिश्तों में पुरानी समस्याएं चल रही हैं, तो इस साल इन समस्याओं का समाधान भी होगा। आप अपने जीवनसाथी या पार्टनर के साथ नए अनुभवों को साझा करेंगे, जिससे रिश्तों में गर्माहट बढ़ेगी। अगर किसी से कोई वादा करना हो तो सोच-समझकर करें, ताकि बाद में पछताना न पड़े।गिफ्ट बास्केट राशिफल 2026 कहता है कि यह साल कार्यक्षेत्र में योजनाओं को अमल में लाने का है। नए कॉन्ट्रैक्ट, जॉब या बिजनेस पार्टनरशिप के लिए अनुकूल समय है। विदेश से जुड़े कार्यों में भी लाभ के संकेत मिल रहे हैं। अभी आपको आर्थिक मामलों में आपको अचानक लाभ हो सकता है, परंतु कानूनी पेचों से सतर्क रहें। ओवरसीज बिजनेस या इंपोर्ट-एक्सपोर्ट में बड़ी सफलता मिल सकती है। वार्षिक भविष्यफल 2026 कहता है कि आप इस वर्ष कई नए सबक सीखेंगे, जो भविष्य में जीवन के कुछ कठिन समय से निपटने में आपके काम आएंगे। घर, दुकान या कोई अन्य संपत्ति खरीदने का आपका सपना सच हो सकता है। भले ही आपको कर्ज लेना पड़े, लेकिन इसके लिए आपके पास सपने को साकार करने के लिए पर्याप्त बजट होगा। इस साल विदेश यात्रा के भी योग बन रहे हैं। वार्षिक राशिफल 2026 के हिसाब से देखें तो इस साल शैक्षणिक सफलता का योग हैं। विशेषकर विदेश में पढ़ाई करने वालों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। धार्मिक पर्यटन से मानसिक शांति मिलेगी। स्वास्थ्य राशिफल 2026 के मुताबिक इस साल आपको स्वास्थ्य को लेकर विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

वृश्चिक राशि (तो, ना, नू, ने, नो, या, यी, यू)

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह संवत् धूप छांव सा रहेगा इस, आप शनि के रजत पाया के प्रभाव में रहेंगे जिससे आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि का संयोग बनेगा। कमाई में भी वृद्धि होगी। धर्म कर्म के काम भी होंगे। घर में किसी शुभ और मांगलिक काम का आयोजन हो सकता है। लेकिन कुछ अनचाहे खर्च और यात्रा की वजह से भी आपको तनाव हो सकता है। कुछ घरेलू उलझनों के भी अचानक आने से परेशानी होगी।

राशिफल 2026 के मुताबिक साल की शुरुआत कुछ उतार-चढ़ाव के साथ होती नजर आ रही है। ऐसे में आपको व्यक्तिगत के साथ ही पेशेवर जीवन में भी सतर्क रहना होगा। अपने शब्द और व्यवहार पर नियंत्रण रखें, अन्यथा पारिवारिक मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ गलतफहमी से बचें और अहंकार को दूर रखें। आपके प्रेम संबंध भी अच्छे रहेंगे। अविवाहितों को प्रेम का प्रस्ताव मिल सकता है, लेकिन उन्हें परखना आपके लिए जरूरी होगा। ज्यादा भुवकता में न बहें और अपने इमोशन को नियंत्रण में रखें। इससे आपके रिश्तों में मजबूती आएगी।

वार्षिक भविष्यफल 2026 कहता है कि इस साल आपको करियर में स्थायित्व मिलेगा, लेकिन कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। व्यापार में नए सौदे और डील्स मिलेंगे, लेकिन चुनौतियां भी आ सकती हैं। इन चुनौतियों को पहचानना आपकी कुशलता पर निर्भर करेगा। अगर आपने निरंतर प्रयास किए, तो आर्थिक लाभ मिलेगा। अभी आपको संपत्ति से जुड़े मसलों में सतर्क रहने की जरूरत है। वृश्चिक वार्षिक राशिफल 2026 के मुताबिक यह साल आपके लिए उम्मीदों भरा रहने वाला है। चाहे वह संपत्ति, धन, प्रेम या सफलता के बारे में हो, सब कुछ आपका इंतजार कर रही है। आपको परिश्रम का परिणाम निश्चित रूप से मिलेगी। इस वर्ष निराशा आपके आस-पास भी नहीं होगी। अगर आप मेहनत करेंगे, तो करियर में भी सफलता मिलेगी। राशिफल 2026 के हिसाब से देखें, तो पढ़ाई में आपकी मेहनत अभी रंग लाएगी। विद्यार्थियों के लिए यह एक निर्णायक वर्ष हो सकता है। साधना और मेडिटेशन से मानसिक संतुलन बनेगा। स्वास्थ्य राशिफल 2026 कहता है कि अभी सेहत के मामले में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी जरूरी है। अभी नींद और पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। धार्मिक यात्राएं और आध्यात्मिक अभ्यास से मानसिक शांति मिलेगी।

धनु राशि (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ़, भे)

धनु राशि के लिए संवत 2082 नरम गरम रहने वाला है। इस संवत के आरंभ से भी आप ढैय्या के प्रभाव में आ गए है। जबकि इस वर्ष गुरु आपकी राशि से सप्तम और अष्टम भाव में संचार करेंगे। ऐसे में आपको आर्थिक लाभ तो होगा लेकिन धन बच पाना मुश्किल होगा। स्वास्थ्य कारणों और शुभ कार्यों पर भी आपको इस संवत में धन खर्च करना होगा। सेहत के मामले में आपको अपना और अपने जीवनसाथी का ध्यान रखना होगा। अकारण यात्रा का भी संयोग बनेगा। नौकरी में उतार-चढाव और बदलाव भी हो सकता है।

वार्षिक राशिफल 2026 के मुताबिक यह आपके जीवन के लिए प्रगति और समर्थन के साथ एक आदर्श वर्ष हो सकता है। यह वर्ष प्रेम और संबंधों में सकारात्मकता और आत्मीयता लाने वाला है। आप अपने जीवनसाथी के साथ नए अनुभवों और यादों को साझा करेंगे। इस साल कोई पुरानी गलतफहमी भी दूर होगी। आपके रोमांटिक जीवन में स्थिरता आएगी। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। इस साल आपको अपने जीवनसाथी के साथ समय बिताना एक यादगार अनुभव होगा। ऐसी यादें बनाएं जो आने वाले समय में आपके चेहरे पर मुस्कान लाएं। किसी तरह की पुरानी बातों को लंबा न खींचे, इससे आपके रिश्ते में दूरियां आ सकती है। राशिफल 2026 से संकेत मिलता है कि इस साल आपके करियर में स्थायित्व और सफलता दोनों मिलेगी। यदि आप कोई नया व्यवसाय या ऑफिस खोलना चाहते हैं, तो यह साल बेहद अनुकूल है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता लाभदायक निर्णय लेने में सहायता करेगी। संपत्ति और वाहन की खरीद की प्रबल संभावनाएं हैं। इस साल आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। राशिफल 2026 कहता है कि अभी आपको कोई भी कदम सोच-समझकर आठाने होंगे। इससे विकास के नए रास्ते खुलेंगे। आपने पहले जो प्रयास किए हैं, उसमें सफलता मिलेगी। अभी आप संपत्ति और वाहन की खरीदारी कर सकते हैं। इस साल निर्माण से जुड़े कार्य भी होंगे। वार्षिक भविष्यफल 2026 के हिसाब से देखें, तो विद्यार्थियों को परीक्षा में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। विदेश में पढ़ाई करने के भी योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से देखें, तो अभी आपकी सेहत सामान्य रहेगी।

मकर राशि (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

मकर राशि के लिए हिंदू नववर्ष लाभदायक और अनुकूल रहेगा। आपको इस संवत में पूर्व के प्रयासों का लाभ मिलेगा। संवत के आरंभ से भी आप साढ़ेसाती के प्रभाव से छूट गए हैं। लेकिन गुरु इस वर्ष ज्यादा आपकी राशि से छठे भाव में होगा जिससे आपको शुभ कार्यों पर धन खर्च करना होगा। अगर आप कोई नया कारोबार शुरू करते हैं तो आपको इसमें सफलता मिलेगी। घर और वाहन के लिए आप लोन भी ले सकते हैं। विरोधियों और शत्रुओं से आपको सतर्क रहना होगा। राशिफल 2026 के मुताबिक मकर राशि वाले लोगों के लिए यह वर्ष भावनात्मक रूप से थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। रिश्तों में ज्यादा संवेदनशीलता न दिखाएं, यह आपकी परेशानियों का कारण बन सकती है। बेहतर तालमेल के लिए जीवनसाथी से संवाद बनाए रखें और अपने मन की बात खुलकर करें। इस साल आपके जीवन में किसी नए व्यक्ति के आने के भी संकेत मिल रहे हैं। इससे आपके सामाजिक दायरे का भी विस्तार होगा। अगर अभी आप खुद को अटका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो अपने शुभचिंतकों से सलाह लेने में संकोच न करें। आपका कोई अपना आपको ऐसी सलाह दे सकता है, जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण सकारात्मक परिवर्तन लेकर आ सकती है।

वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि कार्यस्थल पर ईमानदारी और पारदर्शिता से आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। व्यवसाय में लाभ के संकेत भी मिल रहे हैं, लेकिन विलासितापूर्ण वस्तुओं और कार्यों पर ज्यादा खर्च न करें। अगर अभी आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो समय अनुकूल है, लेकिन दूसरों को दोष देने की आदत से बचें। यदि आप अपने कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए नैतिकता के साथ आगे बढ़ते हैं, तो पेशेवर प्रगति प्राप्त होने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

वार्षिक मकर 2026 राशिफल के मुताबिक यह साल विद्यार्थियों के लिए अपना टैलेंट दिखाने वाला समय है। प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने से लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और बुरी आदतों पर संयम रखें। किसी बात को लेकर ज्यादा चिंता न करें, इससे मानसिक दबाव बढ़ सकता है। विद्यार्थियों को अभी चुनौतियों से बाहर निकलने का मौका मिलेगा। पूरे साल उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलते रहेंगे।

कुंभ राशि (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

कुंभ राशि के लिए संवत 2082 अच्छा रहेगा। इस संवत के आरंभ से ही आप साढेसाती के सबसे कठिन समय को पार कर गए हैं और इस संवत में गुरु आपकी राशि से पंचम भाव में गोचर करते हुए आपको शिक्षा और करियर में सफल बनाएंगे। आपको संतान सुख मिलने का भी संयोग बन रहा है। विदेश यात्रा संबंधी प्रयास भी आपका सफल रहेगा। आपको इस संवत में पिता और पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। लेकिन भूमि संबंधी कोई विवाद चल रहा तो इसमें परेशानी होगी। आपके घर में कोई शुभ मांगलिक काम भी पूरा होगा।

राशिफल 2026 संकेत दे रहा है कि इस साल आपके प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। पुराने मतभेद भी सुलझेंगे। अगर आप किसी रिश्ते में संकोच कर रहे हैं तो यह वर्ष आगे बढ़ने का है। जीवनसाथी के साथ यात्राएं होंगी और आप उनके साथ रोमांटिक पल साझा होंगे। पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाने रखना चाहते हैं, तो आपको संवेदनशील बने रहना होगा। राशिफल 2026 के मुताबिक वर्ष के मध्य में पारिवारिक समस्याओं के कारण चिंता होगी। घर की आमदनी और खर्च के बीच में असमानता भी परेशानी का कारण बनेगी। आपको संवेदनहीन होने से बचना होगा। इस दौरान जहां भी आपसे जो बन पड़े वह करने की प्रवृत्ति रखनी पड़ेगी। अगर आप अपने निवास में बदलाव करना चाहते हैं तो, इस वर्ष आप ऐसा कर सकते हैं। इस साल विदेश जाने और दूसरे स्थानों पर जाने के लिए यह साल आपकी राह को आसान बनाएगा। हालांकि, आपका मन बहुत सी बातों को लेकर आशंकित रहेगा। कई बार स्वयं पर भी संदेह करने की प्रवृत्ति देखने को मिल सकती है, इसका प्रभाव रिश्तों में भी तनाव बढ़ा सकता है। इसलिए सतर्क रहें।गिफ्ट बास्केट

वार्षिक भविष्यफल 2026 के अनुसार आर्थिक मामलों के लिए यह वर्ष अत्यंत शुभ है। इस दौरान आपकी आय स्थिर रहेगी और निवेशों से अच्छा लाभ मिलेगा। व्यापारियों के लिए भी वर्ष शानदार रहेगा। विदेश से जुड़े कारोबार बेहतर चलेंगे। नई साझेदारियां बनेंगी और पुराने प्रोजेक्ट्स से लाभ होगा। इस साल नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति के साथ ही मान-सम्मान मिलने के योग भी बन रहे हैं।

मीन राशि (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि)

मीन राशि वार्षिक राशिफल 2026 कहता है कि यह आपके लिए प्रेम और सामंजस्य का वर्ष है। साथी के साथ रिश्ते में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। यदि आप किसी रिश्ते को लेकर संशय में थे, तो अब उसमें स्पष्टता आएगी। परिवार के साथ समय बिताना आपको मानसिक सुकून देगा और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाएगा। अगर आप संतुष्टि की भावना महसूस करना चाहते हैं, तो अपने प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं। वही आपके अपने हैं और उनके साथ ही आपको खुशी महसूस होगी। आप आनंद और उत्साह की भावना का अनुभव करेंगे, सुंदरता की ओर आकर्षित होंगे और जीवन के विभिन्न आयामों को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित करेंगे। ऐसा करने से जीवन के विभिन्न रूपों के स्वरूप को जानने का मौका मिलेगा और आपकी दिलचस्पी जीवन के प्रति बढ़ने लगेगी। आपकी जीवन शैली जीवंत बनेगी, जो समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का भाव उत्पन्न करेगी।गिफ्ट बास्केट

कार्यस्थल पर रचनात्मकता और अनुशासन के साथ आप नए मुकाम हासिल करेंगे। व्यापार के विस्तार के लिए यह वर्ष उपयुक्त है। आपकी आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं, जिससे आप अधिक आत्मनिर्भर महसूस करेंगे। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें, इससे काम में गति मिलेगी। काम के प्रति अपनी गंभीरता बनाए रखें। सहकर्मियों के साथ किए गए अच्छे व्यवहार के फलस्वरूप आपको वर्कप्लेस पर अपना काम अच्छी तरह कर पाने में मदद मिलेगी। मीन वार्षिक राशिफल 2026 के अनुसार, यह वर्ष कई मायनों में अच्छा रहेगा। कई अवसर, नई शुरुआत, विकास की संभावनाएं यहां तक कि प्रमुख लक्ष्य प्राप्त करने की संभावनाएं जो आपको शुरू में मुश्किल लग रही थीं, आसान हो जाएंगी। आप अपने व्यापार के लिए कुछ बड़ी योजनाओं पर काम करेंगे और वे सफल होंगी। आपकी आय में भी वृद्धि होने की संभावना है, जो आपकी संतुष्टि के स्तर को बढ़ाएगी। वर्कप्लेस पर किसी से भी उलझने या झगड़ा करने की आदत से बचना होगा।

राशिफल 2026 के मुताबिक विद्यार्थियों के लिए यह साल अच्छा रहेगा। छात्रों को अंतिम प्रयास समझकर मेहनत करने होंगे, जो निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं। विदेश यात्रा और उच्च शिक्षा के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा यदि आप नियमित दिनचर्या अपनाएं।

समस्त नगरवासियों को
दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं
सचिन सिंह बघेल
अध्यक्ष-जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक
मर्यादित राजनांदगांव

समस्त नगरवासियों को
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं
मोरध्वज देवांगन
युवा भाजपा नेता राजनांदगांव

दीपावली
की समस्त जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
महेन्द्र यादव
सदस्य, जिला पंचायत, राजनांदगांव
डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र

दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं...
अश्वनी ताम्रकार
पूर्व अध्यक्ष
नगर पंचायत गण्डई
खम्मन ताम्रकार (सिब्बू)
पूर्व उपाध्यक्ष
जनपद पंचायत छुईखदान
श्रीमती प्रियंका ताम्रकार
अध्यक्ष, जिला पंचायत
खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई

खैरागढ़ की सबसे विश्वसनीय दुकान
विश्वास एवं शुद्धता का प्रतीक
बबलू सेठ की दुकान
जिनेन्द्र ज्वेलर्स एवं
जिनेन्द्र क्लॉथ स्टोर्स
सोने चांदी के आभूषणों एवं सभी प्रकार के कपड़ों के विक्रेता
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है।
शुभ दीपावली
सर्टिफाईड राशि रत्न उपलब्ध
पता- गुजराती हॉटल के सामने, दीवान बाड़ा, खैरागढ़
मो. 81094-71006, 94255-63224
प्रो. चमन डाकलिया

समस्त जिलेवासियों को
दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
दिलीप वर्मा
जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी
जिला : मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी

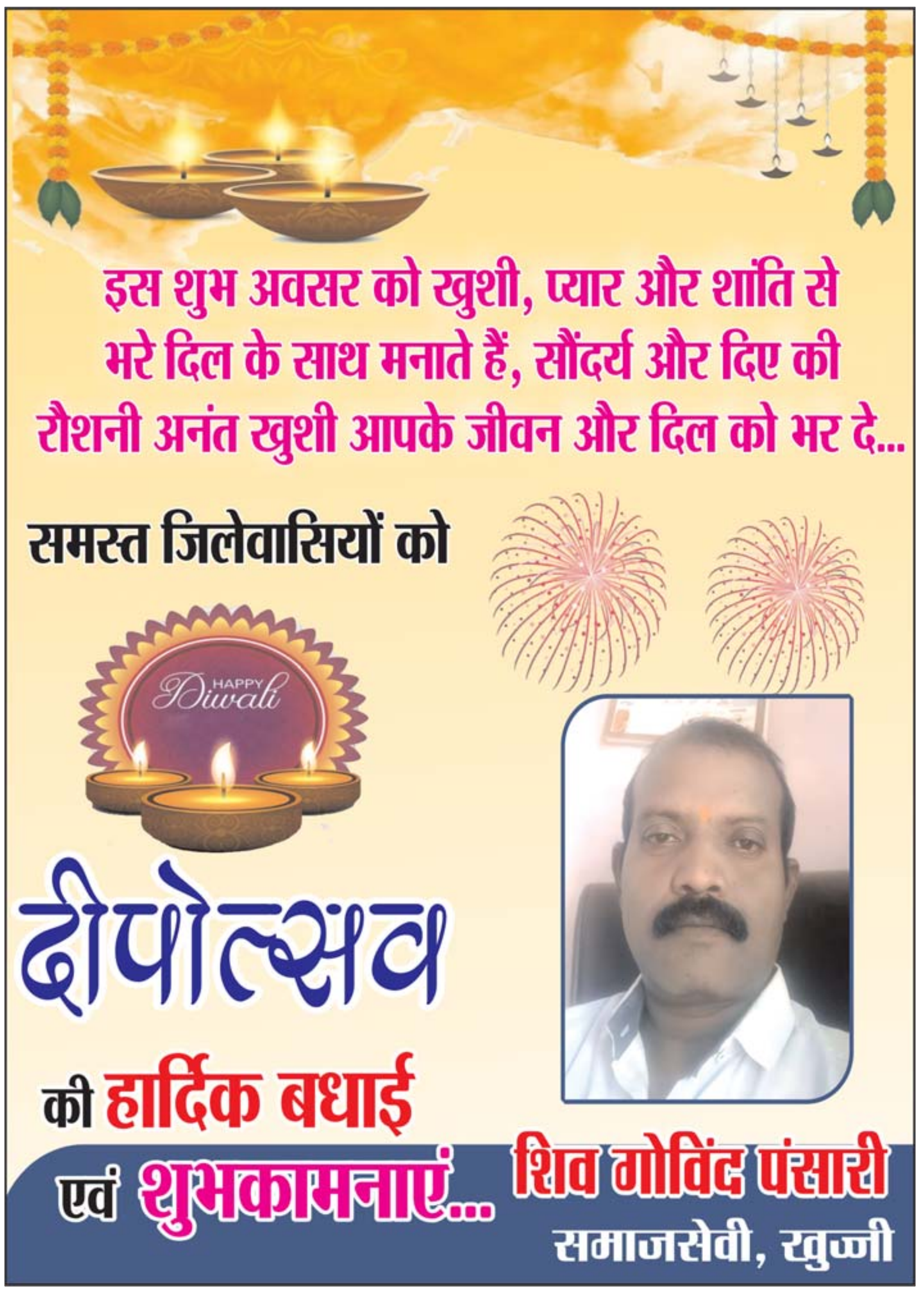
इस शुभ अवसर को खुशी, प्यार और शांति से
भरे दिल के साथ मनाते हैं, सौंदर्य और दिए की
रौशनी अनंत खुशी आपके जीवन और दिल को भर दे...
समस्त जिलेवासियों को
Happy Diwali
दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
शिव गोविंद पंसारी
समाजसेवी, खुज्जी

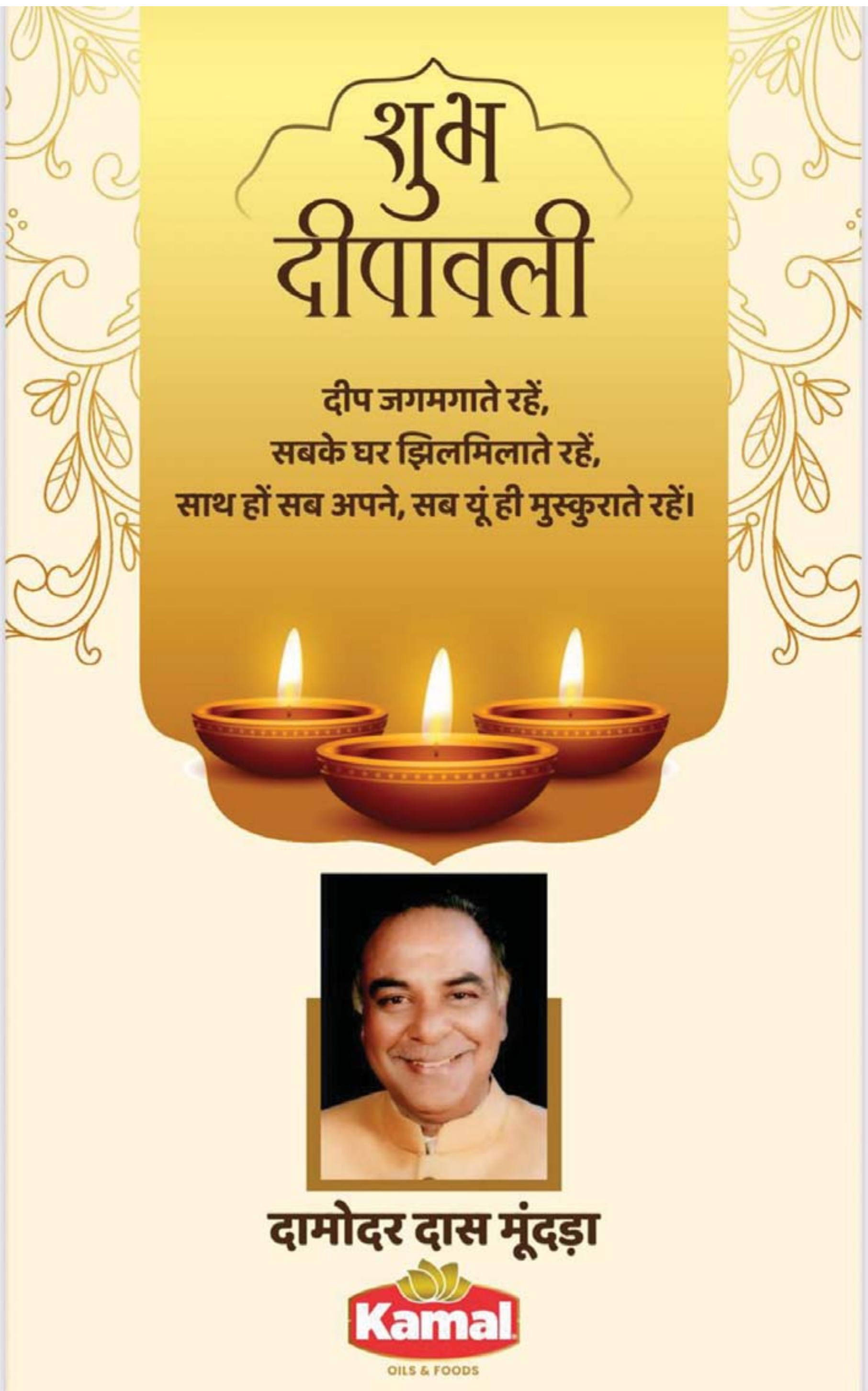
शुभ
दीपावली
दीप जगमगाते रहें,
सबके घर झिलमिलाते रहें,
साथ हों सब अपने, सब यूं ही मुस्कुराते रहें।
दामोदर दास मूंदड़ा
Kamal
OILS & FOODS

शुभ दीपों
का पावन पर्व
सुख- समृद्धि और खुशहाली का उत्सव...
मां महालक्ष्मी की कृपा से हमारा छत्तीसगढ़ धन-धान्य और सुख-संपदा से परिपूर्ण रहे
गांवों से लेकर शहरों तक हर क्षेत्र में विकास और समृद्धि की रोशनी हो
माताओं-बहनों की हथेली हमेशा धन- संपदा से भरी रहे
खेतों में समृद्धि की फसल लहराए और किसानों के भंडार हमेशा अन्न से भरे रहें
बच्चे-युवा सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर हों और उनके सपने साकार हों
सभी के जीवन में सुख- समृद्धि आए और तरक्की का प्रकाश हो
समृद्धि की मुस्कान सभी के चेहरों पर खिले, आपसी प्रेम और भाईचारा हो
शुभकामनाओं सहित
विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
संवाद-45667/26

मुस्कान का सिंधी समाज ने किया सम्मान

राजनांदगांव(दावा)। शहर के हेमू कॉलोनी नगर लालबाग सिंधु भवन में सिंधी पंचायत के द्वारा छात्रों को प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया, जिसमें प्रसिद्ध व्यवसायी एवं प्रतिष्ठित नागरिक राम रूचंदानी की सुपुत्री मुस्कान रुचंदानी को 1100/800 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ में बीएएमएस की परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। मुस्कान रुचंदानी प्रारंभ से ही होनहार छात्र रही हैं, जिसने पहली कक्षा से 12वीं कक्षा तक प्रथम स्थान प्राप्त किया और सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल एवं सिंधी समाज का नाम रोशन किया है। उसने भविष्य में एमडी करने की इच्छा जाहिर की है। सिंधी पंचायत एवं झूलेलाल नगर की अध्यक्ष मनुमाल मोटवानी एवं ब्रह्मानंद बजाज ने मुस्कान को शुभकामनाएं दी है। यह जानकारी पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष चंदन रूचंदानी ने दी है।

दीपावली पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
सारडा हार्डवेयर
जी.ई.रोड, नागपुर नाका, राजनांदगांव (छ.ग.)
मो. 98278-77846, 89765-49060

दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं...
विकास अग्रवाल — अध्यक्ष
अनुराग खण्डेलवाल — सचिव
निलेश लोहिया — कोषाध्यक्ष
कार्यकारिणी सदस्यः- रूपेश गोलछा, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, हरीश लोहिया, राजू डागा, चन्द्रकुमार आहूजा, श्रीचंद आहूजा, मोदी ढेलडिया, सुनील (विजय पोला), अनुराग खंडेलवाल, बसंत चितलांग्या, सूरज खंडेलवाल, अशोक साहू
पोहा मुरमुरा उत्पादक संघ, राजनांदगांव
समस्त पोहा मुरमुरा मिल, राजनांदगांव

नूतन वर्ष में नवजीवन को
श्रद्धा का नूतन बल मिले
यह दीपावली सुख, शांतिप्रद, स्वास्थ्य,
समृद्धशाली और चेतनामय बने....
अशोक फड़नवीस
अध्यक्ष- जिला सर्व जनहित समिति राजनांदगांव
सुनीता फड़नवीस
पूर्व पार्षद

दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
मानव मंदिर
शुद्ध एवं स्वादिष्ट मिठाईयों के मिलने का एक मात्र स्थान
मानव मंदिर बिल्डिंग, राजनांदगांव (छ.ग.) फोन नं.- 224026

दीपोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं...
Dr. Fulendra Uike
M.D.Medicine
Dr. Aarti Uike
M.D. Radio Diagnosis
डायग्नोस्टिक एवं हॉस्पिटल
RDC
RAJNANDGAON DIAGNOSTIC CENTRE
RAJNANDGAON DIAGNOSTIC CENTER & Hospital

दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
Happy Diwali
रमेश जैन
अध्यक्ष, श्वेताम्बर मूर्ति पूजा संघ
समाजसेवी राजनांदगांव

दीपावली
की समस्त जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल बरड़िया
प्रदेश संरक्षक कैट
एवं समाजसेवी राजनांदगांव

दीपावली पर्व
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..
अंशुमान यादव
राजनांदगांव

दीपावली पर्व
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं...
दीपोत्सव का प्रकाश आपके
जीवन में खुशहाली लायें,
प्रकाश एल्युमिनियम सेंटर
तांबा, स्टील, पीतल के बर्तनों के विक्रेता
गुड़ाखू लाईन, राजनांदगांव (छ.ग.)
प्रकाश बैद

दीपोत्सव पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
Happy Diwali
राकेश ठाकुर
अधिवक्ता, राजनांदगांव

विचार सरिता

हर घर खुशियों के दीप जले हैं, आज दीवाली है, माँ लक्ष्मी विराजे हर घर आंगन, आज दीवाली है

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

कार्तिक अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपावली पर्व विशेष है,क्योंकि यह एक ऐसा पर्व है जो अंधेरे पर उजाले की जीत का लोक उत्सव है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने लंकापति रावण को एक भीषण युद्ध में बुरी तरह परास्त किया था और उसके बाद वे सत्य, धर्म और न्याय का प्रतीक बनकर अयोध्या लौटे थे।उनके आगमन की प्रसन्नता में अयोध्या में घर-घर दीप जलाए गए थे।

दीपावली के प्रकाश में अमावस्या की अंधकार रात्रि भी जगमगा उठती है और अनंत दीपों की ज्योति पूर्णिमा के प्रकाश को भी धूमिल कर देती है। इस त्यौहार का संबंध केवल प्रकाश से नहीं है बल्कि यह स्वच्छता की संकल्पना से भी संबंधित है। मान्यता है कि साफ स्वच्छ घरों में ही लक्ष्मी जी विराजती हैं और दीपावली के माध्यम से वर्ष भर से घर में एकत्र अनुपयोगी वस्तुओं और सामग्रियों की भी छँटाई हो जाती है और रंगाई - पोताई के बाद घर का हर कोना चमक उठता है।

दीपावली हर्ष और उल्लास का पर्व है। धन की देवी मां लक्ष्मी की आराधना इस पर्व को विशिष्ट आयाम देती है। भारतीय परंपरा में धन को देवत्व का सम्मान प्राप्त है। अतः धन के साथ शुचिता,शुद्धता और औचित्य का प्रश्न भी जुड़ जाता है। लक्ष्मी जी का उपासक होने की कसौटी केवल हमारे पास धन संपदा का होना और हमारी तिजोरियाँ भरा होना नहीं है, बल्कि यह है कि जो धन हमें प्राप्त हो रहा है, उसका हम कितना सदुपयोग कर पा रहे हैं और हम इससे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति किस तरह कर रहे हैं। समाज में धन का संकेंद्रण एक ही स्थान पर या केवल कुछ लोगों तक ना हो इसलिए भारतीय परंपरा में दान-पुण्य और आवश्यकता के समय जरूरतमंदों की मदद की संकल्पना है।

जब मनुष्य लोभ में अधिक धन कमाने के लिए अनैतिक कार्यों और उपायों का सहारा लेता है तो इसका मतलब है कि वह माता लक्ष्मी का अनादर कर रहा है और ऐसी पद्धति से प्राप्त धन फलदाई भी नहीं होता। धन के संतुलित प्रवाह और न्यायपूर्ण वितरण में ही इसकी सार्थकता है।

हे मां लक्ष्मी! इस दीपावली हर घर आंगन में विराजिए और सभी को धन धान्य से परिपूर्ण करिए। दीपों का यह समवेत प्रकाश हमारे पूरे राष्ट्र को आलोकित करे।

हमर बढ़का तिहार देवारी

छत्तीसगढ़ के जम्मो परब बार ह धरम के पाठ पढ़ाथे। जम्मो तिहार के पाछु कुछु न कुछु किस्सा हावे अऊ शास्तर म उलेख घलो हावे। जईसे कातिक महिना के तेरस तिथि ले भाई दुज तक सरलग तिहार मनाथन5 शास्तर के मुताबिक धन तेरस के दिन धनवन्तरी देबी ह परकट होय हे। जब देवता अऊ राक्षस मन समुदरल मयिस त चऊदा रतन म अहु हर निकले हे जेन ह जड़ी बुटी ले हमर रकसा करथे। अऊ येला बैदराज म ज्यादा बिधी बिधान ले मानथे। अऊ घरो-घर तेरह ठन दिया बार के निरोगी काया के कामना करत परथना करथे। दुसर दिन नरक राक्षस के बंध करे रिहिस नरकासुर राक्षस ह देवता मन ल गजब सताय अऊ उघम बचाय। अऊ वोला नारी के संग रहि के मारे जा सकत हे अईसे बरदान मिले रिहिस। तब भगवान कृष्ण ह अपन पत्नि सत्यभामा ल संग म लेके वोकर बंध करे रिहिस। तब देवता मन गजब खुशी मनावत एक्काईस ठन दिया बार के घर ल उजियार करथे। अऊ भगवान ले पराथना करथे। जेन ल लछमी पूजा अऊ गांव गवई म सुरहोती कहिथे। जेला गजब तियारी करके बड़ उस्सा ले मनाथे। येहु लछमी ह धन के देबी आय। जेहा पायबर मनखे मन काय काय नई करय। अऊ कथा के मुताबिक इही दिन भगवान राम ह लंका के राजा रावण ल मार के अयोध्या आईस। वोकरे सुवागत म जम्मो नर नारी मन दीया बार के भगवान श्रीराम के पूजा करथे। अऊ उही खुशी म गांव म तोरन पताका म गली खोर म सजाके लछमी दाई के पूजा करथन जेला देवारी तिहार कहिथन। वोकर दूसर दिन अन्नकुट के पूजा होथे। कथा के मुताबिक दुवापर युग म भगवान कृष्ण ह अपन एक अगरी म गोवर्धन पहाड़ ल उठाके जम्मो नर नारी अऊ जीव जन्तु गाय गरूवा के रकसा करिस। उही खुशी म गऊ माता ल सोहई बांध के खिचड़ी खावा के पूजा करथे। अऊ संगे संग गोवर्धन परवत के पूजा घलो होथे। अऊ इन्द्र के बरसा ले घलो बचाये रिहिस। उही दिन ले इन्द्र के जगा भगवान के पूजा बिधी बिधान ले करे जाथे। अऊ पांचवा दिन भाई दुज के परब आथे। जेन दिन बहिनी मन भाई के रकसा के कामना करथे। अऊ भाई ल चन्दन गुलाल रोली लगा के भाई ल कपड़ा अऊ मिठाई भेंट करथे। सास्तर के हिसाब ले कथा आथे कि सुरूज देव के दु झन पत्नि रिहिस जेकरनाव संध्या अऊ साया रिहिस जेन मन अपन भाई यम के पूजा गजब बिधि बिधान ले करके भाई ल रकसा सुत्र बांध के भाई ल सदा हमर बिपत म रकसा करबे कहिके बचन मांगथे। अऊ उही समय ले भाई दुज मनाय के चलागन शुरू होईस। अऊ आज घलो बहिनी मन भाई ल सुरता करके भाई दुज के परब ल सुघ्घर ढ़ंग ले निभाथे। अईसने ढ़ंग ले हमर हर तिहार ह संस्कृरिती ले रचे बसे हे।

आनंदराम सार्वा
कु.बो.भाठागांव

कविता

चलो मनाएँ दीवाली.....

दीप जलाएँ प्रीत निभाएँ, चलो मनाएँ दीवाली।
ले अक्षत रोली कुमकुम, सजाएँ आरती की थाली।।
जगमग-जगमग दीपों से, सदा ही हारा अँधियारा।
माटी के दीयों ने ही तो, सबल किया है जग सारा।।
प्राकृत सदा ही सुलझायी, कृत्रिम सदा उलझाया।
स्वयं दीप जो बने जले, उजास उनसे मिल पाया।।
पंच दिवस का दीपपर्व, पंच देवों तत्वों को भाता।
भाव धरे जो शुद्धता शुचिता, प्रकृति वही लौटाता।।
द्वार-द्वार सजे गेंदे तोरन, कलश सजे धानों बाली।
बिटियाँ सजातीं घर-आँगन, रंगोली रंग निराली।।
देख जिसे हरि हरिप्रिया, पग धर-धर मुस्काएँगी।
सुख, शान्ति, समृद्धि देकर, देवाशीष बरसाएँगी।।
रिद्धि-सिद्धि सँग विनायक, आते हैं निश्चय आयेंगे।
जब हम उनके अगवानी में,
खुद को दीप बनायेंगे।।

रोशन साहू 'मोखला'
(राजनांदगांव), 7999840942

पौराणिक काल की घटनाओं को नजर अंदाज ना करें- अशोक चौधरी

राजनांदगांव (दावा)। लक्ष्मी पूजन और दीपावली के दिन समाज में जुआं खेलने का अंधविश्वास फैला हुआ है। कहते हैं कि, दीपावली के अवसर में जुआ खेलने से मुहूर्त बनता है, जबकि जुआ सर्व विनाश का कारण बन जाता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण महाभारत काल में दुर्योधन और युधिष्ठिर के बीच में जुआ हुआ था। भले ही दुर्योधन ने शकुनी मामा के साथ मिलकर छल किया, लेकिन धर्मराज युधिष्ठिर जो बहुत विवेकवान व्यक्ति थे और धर्मनिष्ठ थे, जुआं खेलने में उनकी बुद्धि इतनी भ्रष्ट हो गई कि अपने राज पाट के साथ अपने महावीर पराक्रमी भाइयों को दांव में लगा दिया और हद तो तब हो गई जब सब कुछ वापस मिल जाने के लालच से अपनी पत्नी द्रोपदी को भी जुआं के दांव में लगा दिया।

इस पौराणिक काल की घटना से हमें सीख मिलती है कि, हमें कभी भी जुआं नहीं खेलना चाहिए। जुआ में बुद्धि विवेक सब भूल कर व्यक्ति अपना अनिष्ट कर लेता है। राजा नल का भी एक उदाहरण है, वह भी बहुत गुणी और धर्मात्मा राजा थे। उन्होंने भी जुआं खेल कर अपने राज-पाट हार गए थे और दर-दर की ठोकर खाने को विवश हो गए, बाद में भगवान की कृपा हुई और वह पुनः अपने राज पाट प्राप्त कर सकें। यह दो घटना जुआं से मुहूर्त बनाने वालों को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। जुआं जैसे महाविनाशक खेल से मनुष्य को हमेशा दूर रहना चाहिए।

किन घरों में प्रवेश करती हैं मां लक्ष्मी ?

इस बार दिवाली का पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा. दीपावली के दिन भगवान गणेश और मां लक्ष्मी का पूजन करना बेहद शुभ और लाभकारी माना जाता है. मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी धरती पर भ्रमण करती हैं और अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं. इसी विषय पर एक भक्त ने प्रेमानंद महाराज से पूछा कि आखिर किन घरों में स्वयं मां लक्ष्मी का वास होता है.

इस पर प्रेमानंद महाराज ने उत्तर दिया, मां लक्ष्मी केवल सोने-चांदी या धन-संपत्ति की देवी नहीं हैं, बल्कि वे ऊर्जा, सकारात्मकता और कर्म की प्रतीक हैं. शास्त्रों में कहा गया है कि जहां उत्साह और जोश है, वहीं मां लक्ष्मी का वास होता है. जो व्यक्ति हर कार्य को समर्पण और लगन के साथ करता है, उसके जीवन में दरिद्रता टिकती नहीं. यदि किसी काम को कल करना है, तो उसे आज ही शुरू करें, क्योंकि अभी से बेहतर कोई समय नहीं होता. आलस्य और नकारात्मक सोच मां लक्ष्मी के आगमन में सबसे बड़ी बाधा हैं. इसलिए व्यक्ति को सदैव कर्मशील रहना चाहिए. जो अपने कार्य, व्यापार या अनुष्ठान में मन, वचन और कर्म से जुड़ा रहता है, उसके घर मां लक्ष्मी का स्थायी निवास बन जाता है.

प्रेमानंद महाराज आगे कहते हैं, उत्साही व्यक्ति के पास अद्भुत शक्ति होती है, जिससे वह कठिन से कठिन कार्य भी सरलता से पूरा कर लेता है. लेकिन केवल उत्साह ही पर्याप्त नहीं है, कृतज्ञता भी बेहद जरूरी है. जो दूसरों के उपकार को मान देता है और च्धन्यवादज् की भावना रखता है, वह सच्चे अर्थों में लक्ष्मीपुत्र कहलाता है. साथ ही, हृदय में सबके प्रति प्रेम रखना चाहिए. स्वभाव से निर्मल और आचरण से पवित्र व्यक्ति के घर स्वयं मां लक्ष्मी पदार्पण करती हैं. वे आगे जोड़ते हैं, शास्त्रों में कहा गया है कि जो नाम-जप करता है, कीर्तन करता है और अपने आचरण को पवित्र रखता है, उसके भीतर दिव्यता स्वतः जागृत होती है. गंदे विचारों, अपवित्र दृश्यों और नकारात्मक संगति से दूर रहें, क्योंकि ये तत्व हमारे उत्साह को कमजोर करते हैं और मां लक्ष्मी को दूर भगाते हैं. इसलिए, यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में स्थायी रूप से मां लक्ष्मी वास करें, तो मन में उत्साह बनाए रखें, कर्म को धर्म बनाएं, दूसरों के प्रति प्रेम और कृतज्ञता रखें और जीवन में सच्चाई व पवित्रता अपनाएं.

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

-ललित गर्ग-

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने।' यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए।

ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-'दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।' जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92, फोनः 22727486, 9811051133

यूनिक तरीके से दें दिवाली की शुभकामना, बधाई

हर साल कार्तिक अमावस्या के दिन को दिवाली के रूप में मनाया जाता है, जोकि 20 अक्टूबर 2025 को पड़ रही है. अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर दोपहर 03.44 से लग जाएगी और 21 अक्टूबर शाम 05.55 पर समाप्त होगी. प्रदोष काल में 20 अक्टूबर को ही दिवाली मनाई जाएगी और लक्ष्मी पूजन भी इसी तिथि पर की जाएगी.

शास्त्र पुराणों की माने तो दिवाली मनाने की परंपरा त्रेतायुग से चली आ रही है. जब भगवान राम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने पूरे शहर में दीप जलाकर उनका स्वागत किया था. इसके साथ ही यह भी माना जाता है कि, कार्तिक अमावस्या पर ही समुद्र मंथन के दौरान 8वें रत्न के रूप में मां लक्ष्मी अवतरित हुई थीं. इसलिए भी इस तिथि पर दिवाली मनाने और लक्ष्मी पूजन करने का महत्व है. दिवाली के इस पावन दिन पर लोग एक-दूसरे को दिवाली की बधाई भी देते हैं. आप भी इस दिन को और अधिक शुभ या सकारात्मक बनाना चाहते हैं या अपने प्रियजनों को बधाई देने के लिए संदेश ढूंढ रहे हैं तो यहां देखिए दिवाली के बेहतरीन मैसेज, स्टेटस, कोट्स और शुभकामनाएं संदेश.

दिवाली पर 100 साल बाद महालक्ष्मी योग, लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त

हर साल कार्तिक अमावस्या पर दीपावली का त्योहार मनाने की परंपरा है. इस साल दीपावली का शुभ पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा. कहते हैं कि दीपावली की रात मां लक्ष्मी धरती पर भ्रमण करती हैं और अपने भक्तों को धनधान्य, सुख-संपन्नति का वरदान देती हैं. इसलिए दिवाली की रात लोग मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना करते हैं. ज्योतिषविदों का कहना है कि इस साल दिवाली का त्योहार बेहद खास रहने वाला है. दिवाली पर करीब 100 साल बाद महालक्ष्मी राजयोग का निर्माण होने जा रहा है.

ज्योतिषाचार्य प्रतीक भट्ट ने बताया कि दिवाली पर करीब 100 साल बाद महालक्ष्मी राजयोग का निर्माण अपने आप में सुखद है. साल 2025 लोगों के लिए काफी उठा-पटक भरा रहा है.

युद्ध, तनाव, शेयर बाजार में गिरावट आदि के बाद दिवाली पर इस महालक्ष्मी राजयोग का बनना किसी शुभ संकेत की दस्तक जैसा है. महालक्ष्मी योग के चलते आम लोगों को आर्थिक मोर्चे पर जबरदस्त लाभ हो सकता है.

उपाय- दिवाली पर कौड़ियां लाकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें. लक्ष्मी जी को खील बताशे का भोग लगाएं. यदि घर में लड्डू गोपाल रखे हैं तो उन्हें नए वस्त्र जरूर अर्पित करें.

आचार्य राज मिश्रा ने बताया कि दिवाली के इस शुभ मौके पर चंद्रमा-मंगल की युति बन रही है. बुध-शुक्र के राशि परिवर्तन से विपरीत राजयोग का निर्माण भी हो रहा है. दूसरा, 19 अक्टूबर को गुरु का उच्च की राशि कर्क में प्रवेश करना वास्तव में इस दीपावली को शुभ दीपावली बना रहा है.

उपाय- इस दीपावली रंगोली आदि की सजावट में दही और दूर्वा का प्रयोग जरूर करें. ज्योतिष में दही शुक्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करती है. इस दिवाली घर की सजावट में इन दो चीजों का प्रयोग बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है.

क्या है पूजा का शुभ मुहूर्त?

इस बार दिवाली पर पूजा के तीन खास मुहूर्त रहने वाले हैं. आप सुविधानुसार किसी भी मुहूर्त में देवी लक्ष्मी की पूजा कर सकते हैं.

पहला शुभ मुहूर्त (प्रदोष काल)- शाम 05 बजकर 46 मिनट से रात 08 बजकर 18 मिनट तक.

दूसरा शुभ मुहूर्त (वृषभ काल)- शाम 7 बजकर 08 मिनट से लेकर रात 9 बजकर 03 मिनट तक

तीसरा शुभ मुहूर्त (सर्वोच्च मुहूर्त)- शाम 07 बजकर 08 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 18 मिनट तक. इस दौरान आपको लक्ष्मी-गणेश की पूजा के लिए करीब 1 घंटा 11 मिनट का समय मिलेगा.

क्यों 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी दिवाली?

इस साल कार्तिक अमावस्या तिथि दो दिन पड़ रही है. कार्तिक अमावस्या 20 अक्टूबर दोपहर 03¬44 बजे से प्रारंभ होकर 21 अक्टूबर शाम 05:54 समाप्त होगी. लेकिन प्रदोष काल और निशीत काल के कारण दीपावली का शुभ त्योहार 20 अक्टूबर दिन सोमवार को बनाना ही उचित होगा.

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा व भाईदूज की हार्दिक शुभकामनाएं...

भोलाराम साहू

विधायक विधानसभा क्षेत्र खुज्जी

समस्त जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

सेवा सहकारी समिति गिदर्री

पं.क्रमांक -375

हृदय राम चंद्रवंशी — अध्यक्ष

द्वारिका पटेल — समिति प्रबंधक

समस्त जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

लक्ष्मीकांत जैन

उमरवाही के प्रतिष्ठित व्यवसायी व समाज सेवी

समस्त जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

सेवा सहकारी समिति सम्बलपुर

पं.क्रमांक -504

कपील दास बघेल — अध्यक्ष

कुंवर सिंह कंवर — समिति प्रबंधक

उमरवाही निवासी समाजसेवी कार्तिकराम जागड़े, संतोषी जागड़े, कीर्तिका जांगड़े की ओर से पूरे ग्रामवासियों क्षेत्रवासियों को लक्ष्मीपूजा व गोवर्धन पूजा की ढेरों शुभकामनाएं....

समस्त जिलेवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

सेवा सहकारी समिति उमरवाही

पं.क्रमांक -573

कौशल चंद्रवंशी — अध्यक्ष

मोहन जोशी — समिति प्रबंधक

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

चन्द्रकला चौरे — सरपंच

सोहन देवांगन — सचिव

ग्राम पंचायत- गिदर्री

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त जिलेवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

सेवा सहकारी समिति-खुज्जी

पं.क्रमांक -1041

तखत राम सोनकर — अध्यक्ष

जितेन्द्र यादव — समिति प्रबंधक

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

तोरण चन्द्रवंशी — सरपंच

मोतीराम सागर — सचिव

ग्राम पंचायत-बरबसपुर

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

रामाधीन रावटे — सरपंच

ईश्वरी साहू — सचिव

ग्राम पंचायत- उमरवाही

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

जगदीश बघेल — सरपंच

तिलकराम गंधर्व — सचिव

ग्राम पंचायत-गोड़लवाही

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

मनीष बारले — सरपंच

अहिल्या साहू — सचिव

ग्राम पंचायत-बड़गांव

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

गेंदलाल सिन्हा — सरपंच

मंशाराम साहू — सचिव

ग्राम पंचायत- धोबनी

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

घासुराम सहारे — सरपंच

अंकालूराम रावटे — सचिव

ग्राम पंचायत-मासुलकसा

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

समस्त जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...

वंदिता ऊके — सरपंच

बलीराम केराम — सचिव

ग्राम पंचायत-जोंधरा

विकासखण्ड-छुरिया, जिला- राजनांदगांव

दिवाली में बारिश : मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी, मानसून की विदाई के बावजूद बारिश

रायपुर (दावा)। दिवाली में इस बार बारिश मजा किरकिरा कर सकता है। छत्तीसगढ़ से मानसून की विदाई के बावजूद बारिश के हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में हल्की बारिश और नमी भरे मौसम की संभावना जताई है। बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया सिस्टम राज्य में फिर से बूंदाबांदी और तापमान में उतार-चढ़ाव ला सकता है। रायपुर सहित बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों तक बादल छाए रहने और हल्की वर्षा की स्थिति बनी रहेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम विकसित हो रहा है, जो आने वाले दिनों में प्रदेश के मौसम को प्रभावित करेगा। अनुमान है कि यह सिस्टम 24 अक्टूबर के आसपास कम दबाव के क्षेत्र के रूप में विकसित हो सकता है। राजधानी रायपुर में रविवार को आसमान में हल्के बादल छाए रहने की संभावना है।

वहीं, सोमवार यानी 20 अक्टूबर को शहर और आसपास के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस बदलाव के पीछे मुख्य कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और उत्तर-पूर्वी मानसून का सक्रिय होना है। नमी बढ़ने के कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में रात के तापमान में मामूली इजाफा दर्ज किया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से रातें ठंडी होने लगी थीं, लेकिन आगामी दो-तीन दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी संभव है। वहीं, दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा।

बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ में असर ज्यादा

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से नमी की आपूर्ति सीधे दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ की ओर हो रही है। ऐसे में बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, सुकमा और नारायणपुर जिलों में बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। वहीं, बिलासपुर, रायगढ़ और जांजगीर जैसे उत्तरी जिलों में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहेगा।

उत्तर-पूर्वी मानसून हुआ सक्रिय

दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून सक्रिय हो गया है। इसका असर छत्तीसगढ़ के मौसम पर भी देखने को मिलेगा। राज्य में हवा का रुख दक्षिण-पूर्व की ओर से नमी लेकर आ रहा है, जिससे बादल बन रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय नमी का स्तर सामान्य से अधिक है, जो बूंदाबांदी के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है।

खेतों और फसलों के लिए राहत भरी खबर

बारिश का यह दौर राज्य के किसानों के लिए राहत लेकर आ सकता है। खेतों में रबी की तैयारी चल रही है, और मिट्टी में नमी बढ़ने से बीज बोने के लिए अनुकूल स्थिति बनेगी। मौसम विभाग का कहना है कि यह वर्षा ज्यादा प्रभावशाली नहीं होगी, लेकिन हवा में नमी बनाए रखेगी, जिससे खेती के लिए अच्छा वातावरण रहेगा। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम के अपडेट पर नजर बनाए रखें। हालांकि, तेज बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन बीच-बीच में हल्की फुहारें मौसम को सुहावना बना सकती हैं।

दीवाली के दिन 1 दीया अपने स्कूल में अवश्य जलाएं - स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

रायपुर (दावा)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सोमवार, 20 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे दुर्ग स्थित शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला शक्तिनगर में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'विष्णु का दीया' में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दीपावली पर्व को शिक्षा और संस्कारों से जोड़ने की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चों के जीवन में ज्ञान का महत्व स्थापित करना और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि दीपावली का दीया केवल रोशनी का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सपना है कि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा शिक्षा के प्रकाश से रोशन हो और पूरे प्रदेश का नाम गौरव के साथ ऊँचा करे। जिस तरह छोटा-सा दीपक अंधकार को मिटा देता है, उसी प्रकार शिक्षा भी जीवन के अज्ञान और कठिनाइयों को दूर कर देती है।

मंत्री श्री यादव ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से आह्वान किया है कि इस दीपावली पर सभी बच्चे अपने-अपने विद्यालय में एक दीया अवश्य जलाएँ। यह दीया केवल उत्सव का हिस्सा नहीं होगा, बल्कि यह शिक्षा, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। यह संकल्प हमें यह याद दिलाएगा कि शिक्षा ही जीवन का सच्चा दीप है, जो न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को प्रकाशमय बनाती है। विष्णु का दीया कार्यक्रम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम से प्रेरित है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया जा रहा है कि प्रदेश के मुखिया स्वयं शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं और यह चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ का हर बच्चा शिक्षा की ज्योति से आलोकित हो। दुर्ग के शक्तिनगर विद्यालय में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के साथ-साथ बच्चों द्वारा प्रेरणात्मक गतिविधियां भी होंगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव इस अवसर पर विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देंगे।

जोशीलमती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर विजयदशमी उत्सव और विशाल पथसंचलन सम्पन्न

राजनांदगांव (दावा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जोशीलमती मंडल (छुरिया) में शताब्दी वर्ष के अवसर पर भव्य विजयादशमी उत्सव एवं वृहत पथसंचलन का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में स्वयंसेवक देशभक्ति गीतों के साथ कदम से कदम मिलाकर ग्राम जोशीलमती में मार्च करते हुए एकजुटता और राष्ट्रीय भावना का अद्भुत प्रदर्शन किया। बौद्धिक सत्र में अध्यक्षता करते हुए पंचराम साहू ने संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर सभी स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई दी और निरंतर समर्पण भाव से संघ कार्य में जुटे रहने की प्रेरणा दी। मुख्य वक्ता कृष्णा सिंह, बौद्धिक प्रमुख, जिला अंबागढ़ चौकी ने संघ की शताब्दी यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि देश, समाज और हिंदू संस्कृति की रक्षा के लिए तन-मन-धन से निस्वार्थ भाव से राष्ट्रकार्य में योगदान देना प्रत्येक स्वयंसेवक का कर्तव्य है।

कार्यक्रम में खंड कार्यवाहक देवकुमार साहू, सह-खंडकार्यवाहक टाकेश्वर साहू, घासी साहू, डी.एल. चंद्रवशी, सेवानिवृत्त शिक्षक चित्रांगन साहू, आत्माराम चंद्रवंशी, लक्ष्मण साहू, मुनीराम यादव, हुकुम साहू, संतोष साहू, रामकुमार विवेकानंद साहू, दिनेश साहू, डुकेश्वर साहू, संतराम टेमन साहू, अलखराम, लखन साहू, भुपेंद्र साहू, धनंजय साहू, राधे लाल देवनन्दन साहू, उमेद साहू, श्रीमती मेनका साहू, पंच श्रीमती प्रज्ञा साहू, ओमलता साहू, रुपा साहू, अमीन चंद्रवशी, हेमिका प्राची साहू, खोमेशवरी संतोषी, देवांगन, श्रीमती लता साहू, छोटी साहू सहित खंड एवं मंडल की सभी कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे। गांव से आए सज्जनवृद्ध, गणमान्य नागरिक और मातृशक्ति ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर इसे और भी सफल बनाया। यह आयोजन संघ की 100 वर्षीय यात्रा को यादगार बनाने वाला और प्रेरक साबित हुआ।

धनतेरस पर लक्ष्मी स्थापना एवं छात्तीसगढ़ी नाचा का आयोजन जोशीलमती में 22 अक्टूबर को

राजनांदगांव (दावा)। दीपावली के पावन पर्व धनतेरस के अवसर पर ग्राम जोशीलमती में छुरिया सत्यम युवा मंच गौरा चौक के संयोजन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 22 अक्टूबर को सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी नाचा कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें अमर ज्योति नाचा पार्टी कुल्हारदो (मोहला) अपनी शानदार प्रस्तुति देगी। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ कलश को 1000 की प्रोत्साहन राशि देकर समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम आयोजन समिति में अध्यक्ष चित्रांगन साहू, उपाध्यक्ष नकुल साहू, कोषाध्यक्ष मोहन साहू, सचिव होल्कर निषाद सहसचिव मुकेश साहू, राकेश साहू सदस्यगण राजेश साहू, माखन निषाद, भुवन साहू, भगवान दास, प्रेम कुमार, प्रकाश साहू, बिसम्बर, थनेश साहू, धिनाजी निषाद, प्रीतम साहू, सोमनाथ निषाद, भूपेंद्र साहू, तरन साहू, बेदू साहू, सोमन साहू, नेहरू साहू, लुमेश सेन, तुकेश चन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, डुकेश्वर साहू, वेद कुमार, ठागेश्वर साहू, जागेश्वर साहू, कुमलेश्वर निषाद, निलू निषाद, भोला साहू, देवकुमार, दीनू राम, राधेश्याम साहू, तोकेश साहू, किशन साहू, लोकेश, पोमेश, मोनू साहू, धनंजय साहू, पुरन साहू एवं समस्त ग्रामवासी शामिल हैं। इस आयोजन में सत्यम युवा मंच एवं ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। उक्त जानकारी चित्रांगन साहू द्वारा दी

धामनसरा में 24 अक्टूबर को 'लोक चिन्हारी भरधरी' सिकोसा बालोद वालों का कार्यक्रम

राजनांदगांव (दावा)। शहर से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम धामनसरा में 24 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति पर आधारित भव्य कार्यक्रम 'लोक चिन्हारी भरधरी' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम पटेल परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न होगा। कार्यक्रम में मुख्य स्वर हेमलता पटेल एवं रागी दीनबंधु साहू अपने सहयोगियों के साथ लोक प्रस्तुति देंगे। आयोजक गण केजनाथ, सुमन पटेल, बरातु, झांसी पटेल स्व. परमेश्वर, रेखा पटेल, तुलसीराम पटेल, गणेश राम, गायत्री बाई, युवराज जामुन बाई, जीवराखन, लाल सरस्वती बाई सहित अन्य ग्रामीणों ने आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है।

रात में घर व दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा

तुमडीबोड़ पुलिस चौकी, सुरगी चौकी, डोंगरगढ़ थाना सहित विभिन्न क्षेत्रों की चोरी में रहे शामिल

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस ने रात में घर दुकानों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले तीन आरोपियों को धर दबोचा है। इन चोरों के पास से पुलिस को चोरी किए गए माल असवाब बरामद की है। लालबाग थाना क्षेत्रांतर्गत आने वाले तुमड़ीबोड चौकी प्रभारी दिलीप पटेल ने बताया किजिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में उनके नेतृत्व में तुमडीबोड क्षेत्र में विगत दिनो घटित चोरी की घटना पर सायबर सेल के माध्यम से खोजबीन का कार्य जारी था। जिस पर पुलिस को सफलता मिली और उक्त चोरियों के 3 आरोपियों को धर दबोच लिए गए।

चौकी प्रभारी श्री पटेल ने बताया कि उक्त घटना के संबंध में प्रार्थी चंन्द्रसेन साहू पिता धनीराम साहू निवासी मचान पार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि, उसके सूने मकान में गत 3 जुलाई की रात्रि लगभग 11:30 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वार घर का ताला तोडकर एक जोडी चांदी का पायल, एक जोडी सोने का खिनवा, एक नग रेडमी कंम्पनी का मोबाईल, तथा 20 हजार रुपये नगद चोरी कर ले गया है।

इस पर चौकी तुमडीबोड में अपराध क्रमांक 313/25 धारा 305, 331(4) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना में लिया गया था, विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना के आधार पर सन्देही अमित सिंह जाठ पिता बबलु सिंह जाठ उम्र 24 निवासी अटल अवास पेन्ड्री, देवेन्द्र सोरी पिता सुरजीत सोरी उम्र 20 वर्ष निवासी संजय नगर लखोली थाना कोतवाली को हिरासत में लिया गया और उनसे गहन पूछताछ किए जाने पर उनके द्वारा मचानपार में चोरी की अपराध घटित करना स्वीकार किया गया।

खैरागढ़ के ज्वेलर्स से चोरी के सामान बरामद

श्री पटेल ने बताया कि आरोपियों के मेमोरेण्डम कथन पर उनके द्वारा चोरीशुदा चाँदी का पायल को आरोपी तथा सोने का खिनवा को खैरागढ में मानसी ज्वेलर्स दुर्गेश सोनी को बिक्री करना बताया, जिसे मानसी ज्वेलर्स के स्वामी दुर्गेश सोनी से चांदी का पायल और सोने का खिनवा, आरोपी देवेन्द्र सोरी से 01 नग मोबाईल, आरोपी अमित सिंह जाठ से 01 नग स्कूटी नंम्बर सीजी 04 सीटी 8557, जिसे दुर्ग से चोरी करना बताया गया है, उसे जप्त किया गया। वहीं चोरी के रकम को आपस में बांटकर खर्च करना बताया गया।

सिंघोला रोड स्थित कपड़ा दुकान में की थी चोरी

बताया गया कि आरोपियों द्वारा चोरी घटना के कुछ दिनों बाद ग्राम सिंघोला रोड के पास कपड़ा दुकान में कपडे तथा नगदी रकम चोरी करना भी स्वीकार किया। उक्त मामले पर चौकी सुरगी थाना बसंतपुर अप.क्र. 336/25 धारा 131(4), 305(ए), दर्ज किया गया है। उपरोक्त मामले में आरोपियों द्वारा जुर्म स्वीकार किये जाने पर तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है। चौकी प्रभारी श्री पटेल ने बताया कि आरोपियों द्वारा दुर्ग तथा डोगरगढ़ क्षेत्र में भी चोरी करना बताया गया है। उक्त मामले में भी विवेचना कार्य जारी है।

इस कार्यवाही में पुलिस चौकी प्रभारी श्री पटेल सहित सायबर सेल उनि. नरेश बंजारे, सउनि. चुन्नी लाल साहू, प्र.आर. लोकनाथ वर्मा, आरक्षक चन्द्रशेखर यादव, थलेश देशमुख, अमित सोनी, शरद वर्मा, जीवन ठाकुर का सराहनीय रहा।

आचरण ऐसा हो जो लोगों को प्रेरित करे-मुनि वीरभद्र

राजनांदगांव (दावा)। विनय कुशल मुनि के सुशिष्य एवं 171 दिन तक उपवास का रिकॉर्ड बनाने वाले जैन मुनि वीरभद्र (विराग) ने आज यहां कहा कि जीवन ऐसा होना चाहिए कि, लोगों को आपके आचरण से प्रेरणा मिले। लोग आपका अनुसरण करें। साधु का आहार पर नियंत्रण होना चाहिए। जैन बगीचे में अपने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में जैन मुनि वीरभद्र (विराग) ने कहा कि सच्चा साधु धन वैभव के प्रति मोह नहीं रखता। ब्रह्मचर्य साधना की रीड़ होती है। साधु अपने पास अच्छी वस्तु या संपत्ति के संग्रहण की लालच नहीं रखता। उन्होंने कहा कि राजा ऐसा होना चाहिए जो सर्व जीवों को अभय दान दें।

ब्रह्मचर्य साधना की रीड़ होती है

मुनि वीरभद्र (विराग) जी ने कहा कि संवाद में विराम कभी नहीं होना चाहिए। संवाद से अनेक भ्रांतियां दूर होती है। व्यक्ति सरल रहे और संवाद चलता रहे तो अनेक गलतफहमियां दूर की जा सकती है तथा संबंध भी मजबूत होते हैं। उन्होंने कहा कि मन को और वचन को साधना चाहिए। मन को भटकने से रोकना चाहिए और वचन को सोच समझ कर बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन को एकाग्र करो और आराधना कर आत्म कल्याण की ओर आगे बढ़ जाओ। यह जानकारी मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने दी।

मुंदगांव की महिलाओं का बड़ा अभियान- नशा और असामाजिक कार्यो पर पूर्ण रोक

- मुदगांव बना आदर्श गांव- शराब, गांजा, जुआं और फ्री फायर पर सख्त प्रतिबंध
- मुदगांव की ग्राम सभा का बड़ा फैसला नियम तोड़ने वालों पर भारी अर्थदंड
- मुंदगांव में असामाजिक तत्वों पर नकेल, ग्राम सभा में सर्वसम्मति से कड़े नियम लागू

राजनांदगांव(दावा)। जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुंदगांव (बोदेला) में 18 अक्टूबर को आयोजित ग्राम आमसभा में असामाजिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस बैठक में महिला समूहों सहित समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम में शराब बेचना, पीना-पिलाना, गांजा सेवन या विक्रय, जुआ, ताश, लूडो, फ्री फायर गेम जैसी लतों को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया। साथ ही दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि वे डिस्पोजल गिलास खुले में न बेचें। सार्वजनिक स्थल, सड़क, खेत-खलिहान, विद्यालय परिसर सहित किसी भी स्थान पर शराब पीना, जुआ खेलना या गाली-गलौज करना सख्त मना रहेगा।

नियम उल्लंघन करने वालों के लिए ग्रामसभा ने कठोर अर्थदंड निर्धारित किए हैं– शराब बेचने वाले को 51,000 रूपये, पीने वाले को 61,000 रूपये, देखने वाले को 15,000 रूपये अर्थदंड, गांजा बेचने पर 21,000 रूपये, पीने वाले को 21,000 रूपये तथा देखने वाले को 10,000 रूपये अर्थदंड, जुआ या ताश खेलने वालों को 21,000 रूपये अर्थदंड, जानकारी देने वाले को 10,000 रूपये का इनाम।

इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थल पर शराब, गांजा, जुआ, लूडो या फ्री फायर खेलने पर 21,000 रूपये अर्थदंड लगाया जाएगा। डिस्पोजल गिलास बेचने पर 21,000 रूपये अर्थदंड तथा सूचना देने वाले को 10,000 रूपये का इनाम मिलेगा। विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर दोषी व्यक्ति को क्षति की भरपाई स्वयं करनी होगी।

गृहस्वामी यदि दंड लगने पर अभद्र भाषा का प्रयोग करता है, तो उसे 70,000 रूपये अर्थदंड देना होगा। मूर्ति विसर्जन के लिए भी ग्राम सभा ने समय सीमा तय की है– अब मूर्ति विसर्जन शाम 6 बजे तक ही करना होगा, अन्यथा संबंधित समिति पर 21,000 रूपये का सामूहिक दंड लगेगा।

ग्राम सरपंच भूमिका सिन्हा ने कहा कि महिलाओं की पहल से यह सामाजिक अभियान शुरू किया गया है और पूरे गांव में एकजुट होकर इसे सफल बनाया जाएगा।

कमला कॉलेज में टेबल टेनिस की टक्कर, डोंगरगढ़ और सोमनी ने मारी बाजी

राजनांदगांव(दावा)। शासकीय कमलादेवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव में 15 अक्टूबर को परिक्षेत्र स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता (महिला/पुरुष वर्ग) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की 7 और महिला वर्ग की 6 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. जयसिंग साहू ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों में एकाग्रता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

पुरुष वर्ग में शासकीय आदर्श महाविद्यालय, सोमनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि उपविजेता शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव रहा। महिला वर्ग में शासकीय नेहरू महाविद्यालय, डोंगरगढ़ की टीम विजेता रही, वहीं मेजबान शासकीय कमलादेवी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव को उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव, शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव, नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़, खैरागढ़, छुरिया, गंडई और आदर्श महाविद्यालय सोमनी एवं महिला वर्ग में विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव, गंडई, नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़, दिग्विजय महाविद्यालय, डोंगरगांव और कमलादेवी महिला महाविद्यालय ने भाग लिया।

मुख्य निर्णायक की भूमिका रमन साहू और विकास कुमार ने निभाई। प्रतियोगिता को सफल बनाने में अरुण चौधरी, डॉ. मुन्ना लाल नंदेश्वर, परेश वर्मा, श्रीमती अनिता पौसार्य, वरिष्ठ सेवानिवृत्त क्रीड़ाधिकारी पीके हरि, सहायक क्रीड़ाधिकारी रोशन साहू और खैरागढ़ से टेकराम का योगदान सराहनीय रहा। प्रतियोगिता में चयनित छात्र-छात्राएं अब 5 नवंबर को रायपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस संबंध में जानकारी महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने दी। प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

ग्राम तेलगान में लोककला सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ, मुख्य अतिथि रहे विधायक भोलाराम साहू

जोंधरा (दावा)। विकासखण्ड छुरिया के ग्राम तेलगान में 18 अक्टूबर को लोककला सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू शामिल हुए। विधायक श्री साहू ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर किया तथा मां लक्ष्मी एवं भगवान धन्वन्तरी की कृपा से समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में धन, समृद्धि और सुख-शांति की कामना की। उन्होंने धनतेरस के पावन अवसर पर आयोजन समिति श्री सिद्धिविनायक परिवार एवं ग्रामवासियों को बधाई देते हुए कहा कि, ऐसे सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपरा और लोककला को जीवंत बनाए रखते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों के आत्मीय स्वागत और उत्साहपूर्ण सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजू सिन्हा (कार्यकारी अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरिया), पूरन नेताम (महामंत्री, जिला कांग्रेस कमेटी), महेश यदु (सरपंच खुर्सीपार), हेमलाल साहू (समाजसेवी), शंकर लाल यदु (ग्राम पटेल), सबल सिंह (उपसरपंच), मोजीराम साहू, जगदीश श्रीवास, बेदाराम साहू, मोहन दास मानिकपुरी, मंथिर साहू, खेदुराम साहू, पुणेशराम साहू, पतिराम साहू, तेजराम साहू सहित आयोजन समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

रामभक्तों के लहू से लथपथ ......

स्मार्टफोन की लाइट जलाकर जय श्री राम का उद्घोष करने को कहा, जिससे पूरा पार्क ज्योति से जगमगा उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने अयोध्या को अपमान से मुक्ति दिलाई है। पहले जो लोग आस्था का मजाक उड़ाते थे, राम भक्तों और कारसेवकों से पटी अयोध्या की गलियों को लहूलुहान करते थे, आज उन्हें 26 लाख 17 हजार से अधिक दीपों की यह रोशनी चुभ रही है। ये दीप स्थानीय प्रजापति और कुम्हार समुदाय के परिश्रम से बने हैं, जो रोजगार का स्रोत भी हैं। लेकिन रामद्रोही इसे पचा नहीं पा रहे। सीएम योगी ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर पहला दीप प्रज्वलित करने का सौभाग्य उन्हें मिला। रामलला का भव्य मंदिर भारत की आस्था का सम्मान है, जो एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि राम को नहीं मानने वाले, भक्तों पर गोलियां चलवाने वाले और अयोध्या को लाहुलुहान करने वालों को यह रास नहीं आ रहा है। ये लोग पहले सत्ता में रहकर दीपावली से दूरी बनाते थे, लेकिन सैफई में और कब्रिस्तान की बाउंड्री पर करोड़ों खर्च करते थे। अपने जन्मदिन पर बर्किंघम की बग्घी पर सवारी कर जनता को गुलामी की मानसिकता में धकेलते थे। अब वे फिर जातिवाद और विद्वेष के जाल में जनता को फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि ऐसे रामद्रोही दीपोत्सव को कैसे पसंद करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अंधकार से उजाले की ओर बढ़ रहा है। दीपोत्सव जनता के सहयोग से वैश्विक पहचान बना रहा है। सरकार बिना रुके, बिना झुके विकास की यात्रा जारी रखेगी। भारत एक रहेगा तो कोई आस्था का अपमान नहीं कर पाएगा। सीएम योगी ने कहा कि लाखों श्रद्धालु इस कार्यक्रम के साक्षी बने, जो संतों, अधिकारियों और सलाहकारों की मेहनत का नतीजा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेशवासियों को दीपोत्सव व दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

महाराष्ट्र में 96 लाख....

दल वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ नहीं कर सकता। वोटर लिस्ट को अपडेट करने की प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से चल रही है। वहीं राज ठाकरे ने बिना नाम लिए भाजपा पर तंज कसा, उन्होंने कहा, यह मायने नहीं रखता कि आप वोट डालते हैं या नहीं, मैच तो पहले ही फिक्स हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल विपक्ष की आलोचना से इसलिए परेशान हैं क्योंकि इससे उनकी रणनीति उजागर होती है। राज ठाकरे बोले, जब वोटरों की गिनती ही गलत हो, तो हमारी पार्टी के विधायक और सांसद आएंगे कैसे? पिछले साल राज्य चुनाव में मनसे को एक भी सीट नहीं मिली थी।

करमा महोत्सव में शामिल हुए सीएम....

की अगुवाई में 210 नक्सली विकास की मुख्यधारा से जुड़े है। नक्सलवाद अब छत्तीसग? में अंतिम साँसे ले रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश को नक्सलवाद को समाप्त करने का जो अवश्य पूरा होगा। बड़े हुए बिजली के दामों पर कहा कि हमलोग हॉफ बिजली बिल से मुक्त बिजली बिल की ओर जा रहे है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय.....

अपील की है कि वे दीपावली को स्वदेशी भावना के साथ, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए मनाएं और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के प्रति हमारी श्रद्धा और आभार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि प्रकृति का संरक्षण ही समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली और गोवर्धन पूजा का यह पावन अवसर छत्तीसगढ़ राज्य में खुशहाली, समृद्धि और विकास की नई रोशनी लेकर आएगा तथा हर घर में आनंद, शांति और उजाला फैलाएगा।

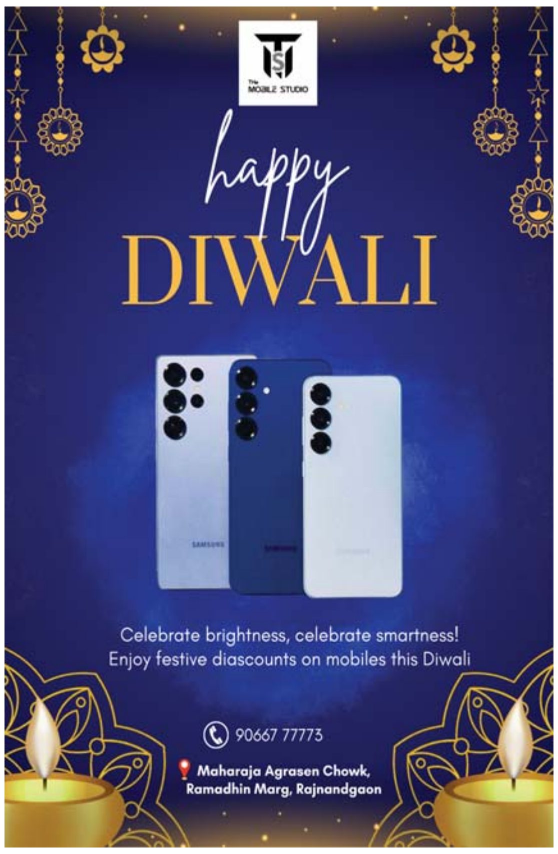

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com